सुविचार

जिंदगी में सच के साथ हमेशा चलते रहिए तो वक्त आपके साथ अपने आप चलने लगेगा !

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ।।

निष्पक्ष कलम - निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 17 अंक: 271 पेज: 8 मूल्य 01 रु. जयपुर, सोमवार 24 अप्रैल, 2023 Email: garibonkasitara@gmail.com

अमृतपाल असम की डिब्रूगढ़ जेल शिफ्ट, 36 दिन बाद भिंडरांवाला के गांव में गुरुद्वारे से गिरफ्तार हुआ

सितारा न्यूज नेटवर्क

अमृतसर। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने 36 दिन की फरारी के बाद मोगा जिले में रोडे गांव के गुरुद्वारे से रविवार सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर अरेस्ट कर लिया। इसके बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन ले गई। वहां से उसे असम ले जाया गया। दोपहर पौने 4 बजे पंजाब पुलिस ने अमृतपाल को डिब्रूगढ़ जेल अथॉरिटी के हवाले कर दिया।उधर, अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद मोगा जिले में भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई।रोडे गांव सहित पंजाब के बठिंडा और दूसरे कई शहरों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। रोडे गांव में बने संत खालसा गुरुद्वारे के ग्रंथी ने बताया कि अमृतपाल शनिवार रात को गांव पहुंचा था। रविवार सुबह गिरफ्तारी से पहले उसने पांच ककार (केश, कृपाण, कंघा, कड़ा और कच्छा) पहने और प्रवचन के जरिए लोगों को संबोधित किया।

भिंडरांवाले के जन्म स्थान पर सरेंडर की प्लानिंग की

जिस रोडे गांव से अमृतपाल को पकड़ा गया, वहीं जरनैल सिंह भिंडरांवाला का जन्म हुआ था। वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनने के लिए यहीं पर अमृतपाल की दस्तारबंदी हुई थी। अमृतपाल समर्थकों की भीड़ के साथ सरेंडर करके शक्ति प्रदर्शन करना चाहता था। इसके लिए रविवार का दिन चुना गया। अमृतपाल के करीबियों ने ही पंजाब पुलिस को उसके सरेंडर प्लान के बारे में बताया था। पुलिस को आशंका थी कि भीड़ जमा होने पर माहौल बिगड़ सकता है। लिहाजा पुलिस टीम सादे कपड़ों में गुरुद्वारे पहुंची और सुबह-सुबह ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

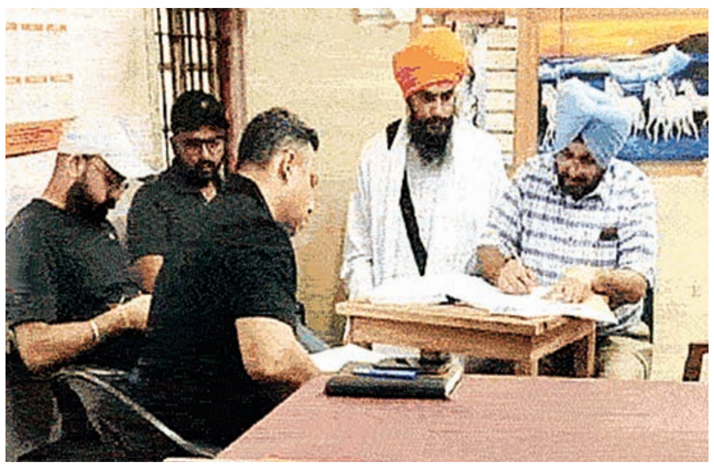

प्रवचन में बोला- गिरफ्तारी अंत नहीं, शुरूआत

गिरफ्तारी से पहले रोडे गांव के गुरुद्वारे में प्रवचन के दौरान अमृतपाल ने कहा, 'यह जरनैल सिंह भिंडरांवाले का जन्म स्थान है। उसी जगह पर हम अपना काम बढ़ा रहे हैं और अहम मोड़ पर खड़े हैं। एक महीने से जो कुछ हो रहा है, वह सब सभी ने देखा है। हम इसी धरती पर लड़े हैं और लड़ेंगे। जो झूठे केस हैं, उनका सामना करेंगे। ये गिरफ्तारी अंत नहीं, शुरूआत है।' अमृतपाल के माता-पिता बोले- संपर्क में नहीं थे अमृतपाल के माता-पिता ने कहा है कि गिरफ्तारी से पहले वे अमृतपाल से संपर्क में नहीं थे। गर्व की बात है कि बेटे ने सरेंडर किया।

पंजाब के कई शहरों में फ्लैग मार्च

पुलिस ने मयार्दा का ध्यान रखा, गुरुद्वारे के अंदर नहीं गई- IG

पंजाब पुलिस के IG हेडक्वार्टर डॉ. सुखचैन सिंह गिल ने कहा, 'पुलिस ने 35 दिन से दबाव बनाया था। इंटेलिजेंस विंग के पास रोडे गांव में अमृतपाल की मौजूदगी का इनपुट था। उसे नाका लगाकर घेर लिया गया, लेकिन वह गुरुद्वारा साहिब के अंदर था। मयार्दा को देखते हुए पुलिस अंदर नहीं गई। अमृतपाल सिंह से बाहर आने के लिए कहा गया, फिर उसे गिरफ्तार किया गया।

तख्त पर सरेंडर का प्लान फेल होने पर रोडे गांव पहुंचा

अमृतपाल सिंह बैसाखी के दिन यानी 14 अप्रैल को सरेंडर करना चाहता था। उसने बठिंडा में तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब में सरेंडर की प्लानिंग की थी। पंजाब पुलिस ने इसका पता चलने पर दमदमा साहिब में सुरक्षा कड़ी कर दी थी। इसके बाद वह 22 अप्रैल को रोडे गांव पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

समर्थक को छुड़ाने के लिए थाने पर हमला कराया था

अमृतपाल पर NSA के तहत केस दर्ज है। वह 36 दिन से फरार था। उसने 23 फरवरी को अपने एक समर्थक की रिहाई के लिए पंजाब के अमृतसर जिले में अजनाला पुलिस थाने पर हमला किया था। उसके बाद से वह पुलिस के रडार पर आ गया था। 18 मार्च को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की, लेकिन वह फरार हो गया था। इस बार रोडे गांव के गुरुद्वारे में अमृतपाल की मौजूदगी की सूचना मिलने पर अमृतसर रूरल के ररढ सतिंदर सिंह और पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस के IG रविवार सुबह ही वहां पहुंच गए।

मुख्यमंत्री ने पंजीकरण पोर्टल एवं वेबसाइट की लॉन्च प्रदेशवासियों को मिले महंगाई से अधिकतम राहत

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महंगाई राहत कैम्प के पंजीकरण पोर्टल एवं वेबसाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में प्रदेशवासियों को अधिकतम राहत देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महंगाई राहत शिविरों के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा।गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार का ध्येय है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे। पंजीकरण पोर्टल एवं वेबसाइट के माध्यम से आमजन का इन योजनाओं से जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सकेगा तथा उन्हें योजनाओं के लाभ एवं उद्देश्य के बारे में जागरूक किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि महंगाई राहत शिविरों में भाग लेकर अपने हक का लाभ लें तथा इन शिविरों को सफल बनाएं।इस दौरान मुख्यमंत्री ने महंगाई राहत कैम्प की दिशानिर्देश पुस्तिका का विमोचन भी किया।

महंगाई राहत कैम्प से मिलेगा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

उल्लेखनीय है कि महंगाई राहत कैम्प से सभी जरूरतमंद परिवारों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर महंगाई से राहत दिलाई जाएगी। इसके लिए 24 अप्रैल से 30 जून तक प्रदेशभर में महंगाई राहत कैम्प आयोजित किए जाएंगे। कैम्पों में 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिलेगा, जिससे बढ़ती महंगाई की मार से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री सोमवार सुबह 10 बजे सांगानेर की ग्राम पंचायत महापुरा में महंगाई राहत कैंप का शुभारंभ करेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार आयुक्त श्री आशीष गुप्ता ने महंगाई राहत कैम्प के पंजीकरण पोर्टल एवं वेबसाइट के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंजीकरण पोर्टल एवं वेबसाइट पर 10 योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची, कैंप में पंजीकरण कराने से संबंधित उपयोगी फोटो-वीडियो गैलरी तथा सामान्य तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची उत्तर सहित उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में आयोजना मंत्री श्रीमती ममता भूपेश, मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार श्री अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव आयोजना श्री भवानी सिंह देथा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में मुस्लिम आरक्षण खत्म करेंगे : शाह

KCR की पार्टी का स्टीयरिंग ओवैसी के हाथ; BRS सरकार की उल्टी गिनती शुरू

सितारा न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा- अगर तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनी तो राज्य में मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे। पिछले 8-9 सालों से चल रही ङउफकी भ्रष्ट सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। शाह तेलंगाना के चेवेल्ला में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा- KCR की पार्टी इफ्र का चुनाव चिह्न कार है।इस कार की स्टीयरिंग मजलिस (ओवैसी) के पास है। अब स्टीयरिंग मजलिस के पास है तो कार की दिशा अच्छी हो सकती है क्या ये भारत का नक्शा भी बनाते हैं तो उसमें कश्मीर आजाद होता है। आजाद कश्मीर बताकर इन्होंने भारत का अपमान किया है।

लोगों का ध्यान हटाने के लिए पार्टी का नाम बदला

शाह ने कहा- पूरी दुनिया KCR की पार्टी के खिलाफ लोगों के गुस्से को देख रही है। लोगों को ङउफ और उनके परिवार के भ्रष्टाचार के बारे में पता चल गया है। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए KCR ने अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS) का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा तेलंगाना में सरकार बनाएगी, जिसके बाद भ्रष्टाचारियों को जेल में डाल दिया जाएगा।

KCR को गद्दी से उतारने तक लड़ाई नहीं रुकेगी

अमित शाह ने कहा कि ङउफ ने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय को जेल में डाल दिया। उन्हें लगता है कि भाजपा कार्यकर्ता जेल जाने से डरते हैं। उन्होंने KCR को चेतावनी देते हुए कहा- कान खोल कर सुन लो, भाजपा का कोई भी कार्यकर्ता आपके अत्याचार और जुर्म से नहीं डरता है। आपको गद्दी से उतारने तक हमारी लड़ाई नहीं रुकेगी।

पुंछ हमला...

आतंकियों ने मिलिट्री ट्रक पर स्टील बुलेट दागीं थी

इनके सामने बख्तरबंद ढाल तक बेअसर स्नाइपर अटैक के बाद ग्रेनेड भी फेंके थे

सितारा न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 20 अप्रैल को आर्मी के ट्रक पर आतंकी हमला हुआ था। इस हमले

में 5 जवान शहीद हो गए थे। मामले की जांच NSG और NIA की टीम कर रही है। घटना को लेकर रविवार को एक नई जानकारी सामने आई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक आतंकियों ने ट्रक से जा रहे जवानों पर हमले के लिए स्टील कोर बुलेट्स का इस्तेमाल किया। ये बुलेट्स बख्तरबंद ढाल को भी भेदने में सक्षम थीं। माना जा रहा है कि भाटा धुरियन के घने जंगल वाले इलाके में एक स्नाइपर ने ट्रक को आगे से निशाना बनाया। इसके बाद अन्य आतंकवादियों ने ट्रक पर गोलियां बरसाईं और ग्रेनेड फेंके। लिहाजा सैनिकों को जवाबी कार्रवाई करने का समय तक नहीं मिला। सेना के ट्रक में इफ्तार के लिए खाने का सामान था। इसे लेकर वे पास के गांव जा रहे थे। ये जवान आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स की एक यूनिट से थे। हमले के बाद आतंकवादी सैनिकों के हथियार लेकर फरार हो गए।अधिकारियों ने कहा कि पुंछ हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए 12 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्रदेश के 17 जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर-सीकर में आंधी चलने के साथ बरसात; बिजली गिरने की भी आशंका

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर मौसम बदला है। सीकर में रविवार सुबह बारिश हुई। जयपुर में भी दोपहर बाद आंधी चली और कुछ इलाकों में बरसात हुई। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली भी गिर सकता है। साथ ही 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार भारत में सक्रिय हुए नए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर भारत में एक बार फिर मौसम परिवर्तन का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को जयपुर, अजमेर, कोटा, दौसा, टोंक, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, बूंदी, बारां, झुंझुनूं, चूरू, सीकर, नागौर, सवाईमाधोपुर, हनुमानगढ़ में कहीं-कहीं पर तेज बरसात हो सकती है। वहीं 24 घंटों में जयपुर,अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, नागौर, हनुमानगढ़, दौसा और बीकानेर में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।

क्षेत्र का नं. 1 अखबार | हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

अपना शहर
गरीबों का सितारा
जयपुर

पूर्वानुमान> 34°

	सोम	मंगल	बुध	गुरु
अधिकतम>	42°c	44°c	43°c	43°c
न्यूनतम>	30°c	29°c	23°c	23°c

भगवान विष्णु के छठे अवसर परशुराम की हुई पूजा

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। श्री गुरु अर्जुन दास सत्संग भवन के संस्थापक एवं रूद्र हनुमान सेवा समिति के गुरू अर्जुन द्वारा आज सत्संग भवन में अक्षय तृतीया के अवसर पर साधु संतों को कपड़े व चुनरी भेंट की गई और बच्चों में कैंडी, पानी की बोतल, चॉकलेट व आईश क्रीम आदि का वितरण किया गया। अक्षय तृतीया के बारे में गुरु जी द्वारा बताया गया कि "अक्षय' शब्द का मतलब है- जिसका क्षय या नाश न हो। इस दिन किया हुआ जप, तप, ज्ञान तथा दान अक्षय फल देने वाला होता है अतः इसे 'अक्षय तृतीया' कहते हैं। इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका बड़ा ही श्रेष्ठ फल मिलता है। इस दिन सभी देवताओं व पित्तरों का पूजन किया जाता है। पित्तरों का श्राद्ध कर धर्मघट दान किए जाने का उल्लेख शास्त्रों में है। वैशाख मास भगवान विष्णु को अतिप्रिय है अतः विशेषतः विष्णु जी की पूजा करें। जो मनुष्य अक्षय तृतीया को सूर्योदय काल में प्रातः स्नान करते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करके कथा सुनते हैं, वे मोक्ष के भागी होते हैं। जो उस दिन मधुसूदन की प्रसन्नता के लिए दान करते हैं, उनका वह पुण्यकर्म भगवान की आज्ञा से अक्षय फल देता समिति द्वारा सेवाएं श्री गुरु अर्जुन दास, चानन राम छाबड़ा, हुक्मी देवी, संगठन मंत्री सतपाल कोर, अनुज मल्होत्रा,समीर भटेजा, नरेश अग्रवाल, आशा रानी, एमडी सतीश, राजरानी, दिया, खुशी, निशा, अभिषेक निर्वाण, सुमन, साहिल, देवेंद्र, संजू, नरेश पण्डित व अन्य सदस्यों द्वारा दी गई। सभी ने तन मन से सेवा दी। गुरु अर्जुन द्वारा बीकानेर के 536 में स्थापना दिवस के अवसर पर समिति के सदस्यों व सभी बीकानेर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षक अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया और बच्चों में चॉकलेट व बिस्किट वितरण कर अक्षय तृतीया को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। समिति के सदस्य प्रचार मंत्री उषा गुप्ता, बसंत किराडू, वैभव, हिमांशी, अरुण यादव व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वर्धमान महावीर खुला विवि द्वारा अखिल भारतीय खुला विश्वविद्यालय कुलपति सम्मेलन आयोजित

जयपुर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात 50 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य वर्ष 2035 तक हासिल करने के लिए योजनाबद्ध एवं समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विश्वविद्यालयी शिक्षा की पहुंच कस्बों, गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक बनानी होगी। राज्यपाल श्री मिश्र रविवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा आयोजित अखिल भारतीय खुला विश्वविद्यालय कुलपति सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा पर ध्यान देना आज सबसे अधिक जरूरी है, विश्वविद्यालय स्तर पर बेटियों को पढ़ाई के अधिकाधिक अवसर मुहैया कराए जाने चाहिए। उन्होंने वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाली समस्त छात्राओं की फीस का शत-प्रतिशत पुनर्भरण राज्य सरकार द्वारा किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बालिकाओं के नामांकन में काफी वृद्धि हुई है। राज्यपाल ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली जीवनपर्यंत शिक्षा से मनुष्य को जोड़े रखने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह ऐसी शिक्षा पद्धति है जिसमें किसी भी समय, किसी भी स्थान पर विद्यार्थी आवश्यकता के अनुसार शिक्षा ग्रहण कर सकता है। उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा को बढ़ावा देने, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, आदिवासियों तथा दिव्यांगों, किसानों, औद्योगिक मजदूरों आदि को समान रूप से शैक्षिक अवसर प्रदान करने की दृष्टि से दूरस्थ शिक्षा का विशेष महत्व है। राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि देश की नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं, कला व संस्कृति के संवर्धन आदि पर विशेष जोर दिया गया है। इस शिक्षा नीति का व्यावहारिक रूप में क्रियान्वयन कर शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन लाया जा सकता है ।

शिक्षा विभाग-प्रिंसिपल पर यौन उत्पीड़न का आरोप FIR दर्ज किया

सितारा न्यूज नेटवर्क

भीलवाड़ा/ डॉ चेतन ठठेरा। जिले के सुवाणा ब्लॉक में स्थित विवेकानंद मॉडल स्कूल एक शिक्षिका ने स्कूल के प्रिंसिपल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एक प्राथमिकी पुलिस थाने में दर्ज कराई है। शहर के बाबा धाम स्थित श्याम नगर में रहने वाली तथा सुवाणा ब्लॉक में स्थित विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में अंग्रेजी विषय की शिक्षिका अंजू जोशी ने सदर थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि विद्यालय का प्रिंसिपल असलम मोहम्मद डायर को मेरे पारिवारिक विवाद की जानकारी भली-भांति होने पर उसका लाभ उठाने की वर्कर्स कोशिश उनके द्वारा की जाती रही है प्रिंसिपल डायर स्कूल समय के पश्चात जबरदस्ती मुझे स्कूल में रोकने की कोशिश करते हैं जबकि अन्य सभी स्टाफ चला जाता है तथा मुझे अपने कक्ष में बुलाते हैं बिना कारण ही अन्य स्टाफ के समक्ष मुझे बेशक करने की कोशिश करते हैं मुझ से संबंधित पत्राचार मेरे तक नहीं पहुंचाते हैं प्राचार्य आश्रम मोहम्मद डायर अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास करते हैं कि मैं उनके समक्ष आत्मसमर्पण कर

अपना शहर
शिक्षिका ने प्रिंसिपल मोहम्मद असलम के उत्पीड़न से परेशान हो राज्य महिला आयोग

उनकी अनैतिक मांगों को स्वीकार कर लो शिक्षिका ने रिपोर्ट में बताया कि प्रिंसिपल की इन हरकतों से उसका जीना बहुत मुश्किल हो गया है और वह अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है रिपोर्ट में उसने अविलंब उचित कार्रवाई करो को सुरक्षित जीवन सुरक्षित करने की दिशा में उचित कार्यवाही सुनिश्चित करें। सदर थाना पुलिस ने ने शिक्षिका की रिपोर्ट पर भारतीय दंड संहिता की धारा 342 354 अ 354ऊके तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । कानूनी एक्सपर्ट के अनुसार धारा 342 के तहत गलत तरीके से बंधक बनाता है तो 1 साल की सजा और अर्थदंड का प्रावधान है। धारा 345अ के तहत सेक्सुअल हरासमेंट अर्थात यौन उत्पीड़न करना इसके तहत आरोप सिद्ध होने पर 3 साल की सजा और अर्थदंड का प्रावधान है । धारा 354 ऊके तहत कोई भी पुरुष किसी महिला का उसके मना करने के बावजूद उसका बार-बार पीछा करना उनसे संपर्क करना यह संपर्क साधे की कोशिश करना होता है इसमें दोषी सिद्ध होने पर 3 साल की सजा और अर्थदंड का प्रावधान है।

IMPACT
सितारा न्यूज नेटवर्क

इनका कहना है...

परिवादी शिक्षिका अंजू जोशी ने थाने में एक रिपोर्ट सुवाणा में स्थित विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद असलम डायर के खिलाफ इसमें परेशान करने और उत्पीड़न करने के आरोप लगाए हैं इस पर धारा 342 3544 354ऊ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है आज पीड़िता के बयान भी दर्ज किए गए हैं ।

-जगदीश प्रसाद मीणा (CI)
थाना प्रभारी
थाना सदर भीलवाड़ा

पंचाग

दिनांकः-24अप्रैल 2023 सोमवार
विक्रम संवत2080वैशाख शुक्ल पक्ष

तिथि	चतुर्थी	08:24:20	
पक्ष	शुक्ल		
नक्षत्र	मृगशीर्षा	26:06:09	
योग	शोभन	07:46:53	
करण	विष्टि भद्र	08:24:20	
करण	बव	20:57:25	
चन्द्र राशि	वृषभ	13:11:31	
चन्द्र राशि	मिथुन	13:11:31	
सूर्य राशि	मेष		
दिशा शूल	पूर्व		
सूर्योदय(जयपुर)		05:56:09	
सूर्यास्त	18:54:18		
चंद्रोदय	08:42:25		
चंद्रास्त	23:16:10		
राहू काल	07:33-09:11		
अभिजित	12:00-12:52		
शुभ चोघडिया			
अमृत	05:56-07:33		शुभ
शुभ	09:11-10:48		शुभ
चर	14:02-15:40		शुभ
लाभ	15:40-17:17		शुभ
अमृत	17:17-18:54		शुभ

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

आकोदा मीना प्रीमियर लीग- 2023 एपीएल फर्स्ट 30 अप्रैल से होगी शुरू

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी (अलवर) महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी उपखण्ड क्षेत्र के भूडा पंचायत के आकोदा मीना गाँव में पहली बार एपीएल प्रिमियर लीग 2023 खेला जायेगा तथा यह क्रिकेट मैच दिन और रात में खेला जायेगा। जिसका उदघाटन 30 अप्रैल को होगा जिसके मुख्य अतिथि अलवर सरस डेयरी पूर्व चैयरमेन बन्ना राम मीना होगे एवं इस डे-नाईट मैच के विशिष्ट अतिथि रैणी प्रधान मीरा मांगे लाल मीना होगे। फाईनल मैच जीतने वाली विजेता टीम को 31000 रुपये और दुसरे नंबर पर रहने वाली टीम को 11000 रुपये व शील्ड व तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को 5100 रुपये व शील्ड दी जायेगी। हर टीम के लिए एन्ट्री फीस 1100 रुपये देनी होगी और फेयरप्ले टीम अवार्ड 1100 रुपये व शील्ड रखा गया है व इस प्रतियोगिता में कुल 64 टीम भाग लेगी। यह प्रतियोगिता फ्ळउ नियम के अंतर्गत होगी सभी टीमों के ड्रेस कोड व जूते अनिवार्य है । टीम के सभी खिलाडी एक ही गाँव के होंगे एवं नगर पालिका के कोई भी तीन वार्ड खेल सकते है। यह प्रतियोगिता टेनिस बॉल से ही खेली जायेगी व प्रत्येक मैच के मैन ऑफ दा मैच में शील्ड दी जायेगी। सभी मैचों की आनलाईन स्कोरिंग की जायेगी , इस डे-नाईट प्रतियोगिता का आयोजन समस्त आकोदा मीना गाँव वासियो के द्वारा किया जा रहा है। मिडिया को यह जानकारी अमर मीना अध्यापक एवं रामकृपाल मीना टीम के कप्तान व जगमोहन मीना रेलवे के द्वारा दी गई है।

राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष नेशनल कांफ्रेंस में लेंगे भाग

जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा आयोजित समस्त भारत युवा एवं खेल मंत्री एवं सचिवों की नेशनल कॉन्फ्रेंस इंफाल मणिपुर 24 से 25 अप्रैल 2023 में होगी। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर करेंगे। राजस्थान राज्य की ओर से श्री सीताराम लांबा राज्यमंत्री अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड .एवं डॉ. जी. एल . शर्मा सचिव राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद इस कांफ्रेंस में भाग लेंगे। साथ ही राज्य के युवा विकास संबंधी और खेलों के संबंधी राजस्थान में होने वाले के युवा व खेल विकास में नवाचारों .युवा नीतियों के संबंध में साथ ही राज्य में युवाओं को सक्षम और सशक्त करने हेतु विस्तार से चर्चा करेंगे।

24 से महंगाई राहत कैम्प हर जरूरतमंद तक सीधे पहुंचेगा 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

जयपुर। बाड़मेर जिला प्रभारी मंत्री श्री सुखराम विश्नोई ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर महंगाई से राहत दिलाई जाएगी। इसके लिए 24 अप्रैल से 30 जून तक प्रदेश में महंगाई राहत कैम्प आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि कैम्पों में 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिलेगा, जिससे बढ़ती महंगाई की मार से राहत मिलेगी।

क्यों जरूरी है महंगाई राहत कैंप

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि आमजन को उनके अधिकारों, योजनाओं और उनकी पात्रता की सम्पूर्ण जानकारी देकर जागरूक करने के साथ उन्हें सशक्त बनाना है। राज्य सरकार द्वारा संचालित 10 कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए कैंपों में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। कैंपों में योजनाओं का तुरंत लाभ पहुंचाया जाएगा। आमजन की सुविधा के लिए किसी भी जिले का व्यक्ति अन्य जिलों के कैम्पों में भी जनाधार के जरिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है।

कैम्पों में प्रत्येक जरूरतमंद के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य

श्री विश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि प्रदेश का कोई भी जरुरतमंद व्यक्ति महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन से वंचित न रहे। इसके लिए प्रतिदिन 78 महंगाई राहत कैंप लगाए जाएंगे। महंगाई राहत कैम्प के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को 10 योजनाओं में निःशुल्क रजिस्ट्रेशन के बाद मौके पर ही मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा कैम्पों के आयोजन से पहले आमजन को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक लोगों तक राहत पहुंचाना सुनिश्चित किया जा सके।

विद्युत साथी फाउंडेशन को मिला विशेष सम्मान

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। शहर के नामचीन होटल एम.बी.प्लाजा में रविवार को स्माइल.कॉम फाउंडेशन के तत्वाधान में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें समाज सेवा से जुड़ी संस्थाओं व व्यक्तियों का सम्मान हुआ। इस मौके पर टीम विद्युत साथी फाउंडेशन को भी समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर कार्यक्रम में अतिथि के रुप में शिरकत कर रहे डायरेक्टर निम्स मेडिकल कॉलेज जयपुर के डायरेक्टर डॉ..पंकज सिंह, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी तन्नू प्रजापत फाउंडेशन के अध्यक्ष सियाराम बुनकर द्वारा विशेष सम्मान व प्रतीक चिन्ह भेटकर उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा गया। टीम विद्युत साथी फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम में रवि बुटोलिया, सुभाष यादव, अंकित वर्मा, मौजूद रहे।

शाहपुरा जिला चिकित्सालय में पानी का अभाव, मरीज व परिजन हो रहे परेशान

सितारा न्यूज नेटवर्क

भीलवाड़ा/ प्रहलाद तेली। शाहपुरा जिला मुख्यालय पर एकमात्र सरकारी अस्पताल सैटेलाइट जिला चिकित्सालय में पानी के अभाव के कारण मरीज एवं परिजन परेशान है। जानकारी के अनुसार शाहपुरा सैटेलाइट जिला चिकित्सालय में पीने के पानी एवं शौचालय आदि में पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं होती है मरीज ने बताया कि लेडीज वार्ड के शौचालय में आए दिन हाथ धोने का पानी भी नहीं मिलता है कोई जागरूक मरीज शिकायत करता है तो पानी सप्लाई होती है इसी प्रकार मरीजों के विश्रांति गृह में वाटर कूलर लगे हुए हैं लेकिन कभी-कभी चलते है एवं पीने का ठंडा पानी उपलब्ध नहीं होता है चिकित्सालय द्वारा विश्रांति ग्रह को ताला लगा दिया जाता है एवं गंदगी का आलम है चिकित्सालय के आपातकालीन दरवाजे पर लगा हुआ पीने के पानी के कूलर में खारा पानी आता है जबकि शाहपुरा क्षेत्र में मीठे पानी का अपार भंडार है एवं जलदाय विभाग द्वारा मीठा पानी ही सप्लाई होता है शाहपुरा सैटेलाइट जिला चिकित्सालय में मरीज एवं परिजन पीने के पानी एवं अन्य पानी के लिए तरसते हैं एवं पीने के लिए बाहर से पानी की बोतल खरीदकर लानी पड़ती है जबकि चिकित्सालय के व्यवस्थापक द्वारा कहना कि सभी व्यवस्थाएं माकूल है और पीने का पानी एवं टंकीयो में पानी पर्याप्त है गौरतलब है कि शाहपुरा सेटेलाइट जिला चिकित्सालय राजस्थान में अव्वल है और व्यवस्थाओं को लेकर पुरस्कार प्राप्त भी है।

हॉस्पिटल में लगे हो स्पेशल दीवार पर लिखा हुआ जल है तो कल है टूटी नहीं तो जल कहां से आएगा।

महंगाई राहत कैम्पों में आमजन जागरूक होकर लेवे योजनाओं का लाभ – सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर ग्रामीण क्षेत्र एवं राज्य के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर महंगाई से राहत दिलाने के उद्देश्य से 24 अप्रैल से 30 जून तक पूरे प्रदेश में महंगाई राहत कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत शिविर में राज्य सरकार की 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन को मिलेगा। मंत्री श्री जूली ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को संबल देने के उद्देश्य से महंगाई राहत शिविर आयोजित कर रही है। उन्होंने बताया कि 24 व 25 अप्रेल को अलवर ग्रामीण क्षेत्र में दो दिवसीय शिविर का आयोजन उमरैण व मालाखेडा ब्लॉक के अकबरपुर, बहादुरपुर के गांव

कजाकपुर एवं नैथला, डहरा, देसूला, तूलेडा, खेडली सैयद, बीजवाड चौहान, माचडी, उपखंड कार्यालय मालाखेडा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालाखेडा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पृथ्वीपुरा में आयोजित होगे। उन्होंने राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए आमजन से अपील की है कि महंगाई राहत शिविर में स्वयं का पंजीयन कराना सुनिश्चित कर अपने आसपास के लोगों को भी सूचित करे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने अलवर जिले में मोती डूंगरी स्थित कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए नियमित रूप से जनसुनवाई की जा रही है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

उपचुनाव को लेकर भाजपा की बैठक आयोजित संपन्न

सितारा न्यूज नेटवर्क

लक्ष्मणगढ़(अलवर)। भाजपा मण्डल लक्ष्मणगढ़ की बैठक मण्डल कार्यालय में आयोजित हुई। मण्डल अध्यक्ष नरपत सिंह ने बताया कि बैठक में पंचायत समिति सदस्य वार्ड नंबर 7 के उप चुनाव को लेकर चर्चा की गई । उपचुनाव को लेकर इच्छुक उम्मीदवारों से टिकिट हेतु बायोडाटा लिए गए व गठित चुनाव समिति द्वारा समीक्षा की गई । बैठक में भाजपा नेता पूर्व चेयरमैन बन्नाराम, चुनाव प्रभारी पूर्व विधायक रमेश खींची, सह प्रभारी विष्णु शर्मा, जितेंद्र गोयल एव अभिराम दीक्षित मौजूद रहे।

विधानसभा नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात कर दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

विधायक जब्बर सिंह सांखला सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

सितारा न्यूज नेटवर्क

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव । राजस्थान विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित रक्तदान शिविर के उपरान्त उनके जयपुर स्थित निजी आवास पर जन्मदिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी । इस दौरान हुरडा आसींद विधानसभा के विधायक जब्बर सिंह सांखला , हुरडा मंडल के पूर्व अध्यक्ष पवन सुखवाल, जिला उपाध्यक्ष लड्डू बन्ना रूपाहेली, फलामादा सरपंच महिपाल सिंह चुंडावत, पार्षद गोपाल रावत विजयनगर, दीपक सेन, चंद्रशेखर मेवाड़ा,पवन मेवाड़ा इत्यादि मौजूद रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) दौसा शाखा द्वारा आज होगा धरना प्रदर्शन

दौसा जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे

सितारा न्यूज नेटवर्क

दौसा। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की प्रदेश कार्यकारणी के आव्हान पर शिक्षको की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 11 सूत्रीय मांग पत्र पर सरकार का ध्यान आकर्षण करने को लेकर 24 अप्रैल 2023 को प्रातः 10 बजे शहीद स्मारक , गवर्मेंट हॉस्टल , पुलिस कमीशनर कार्यालय के पास , जयपुर पर प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय धरना आयोजित होगा। जिसमे दौसा जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे। संग के जिला प्रवक्ता दिनेश पारीक ने बताया कि वेतन विसंगतियों के निराकरण हेतु गठित सावंत एवं खेमराज कमेटी की रिपोर्टो को तत्काल सार्वजनिक कर लागू किया जावे एवं समस्त शिक्षक संवर्गों की सभी वेतन विसंगतियों का तत्काल निवारण करने, समस्त राज्य कर्मचारियों को 8-16-24-32 वर्ष पर ए. सी. पी. का लाभ देकर पदोन्नति पद का वेतनमान प्रदान करने, ठढर कार्मिकों के लिए लागू हुई पुरानी पेंशन योजना (डढर) की समस्त तकनीकी खामियाँ ठीक करते हुए ठढर फण्ड की जमा राशि शिक्षकों को देने के साथ-साथ जीपीएफ 2004 के खाता नम्बर तत्काल जारी करने एवम सम्पूर्ण सेवाकाल में परिवीक्षा अवधि केवल एक बार एक वर्ष के लिए हो तथा नियमित वेतन श्रृंखला में फिक्सेशन के समय परिवीक्षा अवधि को भी जोड़ा जाए । शिक्षा विभाग में ऑनलाइन कार्यो पर निर्भरता को दृष्टिगोचर रखते हुए राज्य के समस्त शिक्षकों एवं संस्था प्रधानों को मासिक इंटरनेट भत्ता तथा एंड्राइड फोन उपलब्ध कराए जाने सहित 11 सूत्रीय मांगो को लेकर एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय धरना शहीद स्मारक जयपुर पर दिया जायेगा। संघ के जिला मंत्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा , जिला अध्यक्ष अवधेश शर्मा , संघ के जिला संगठन मंत्री राजकुमार नेतावाला, विभाग संगठन मंत्री गुलाब चंद शर्मा एवम कालूराम मीणा तथा जिला संरक्षक पंडित राधे श्याम शर्मा ने सभी सक्रिय सदस्यो से धरने में अधिक से अधिक संख्या में नियत समय पर भाग लेने का आग्रह किया है।

हुरडा भाजपा ग्रामीण महिला मोर्चा अध्यक्ष ने की कार्यकारिणी की घोषणा

सितारा न्यूज नेटवर्क

गुलाबपुरा/ रामकिशन वैष्णव। हुरडा भाजपा ग्रामीण महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा अजमेरा ने कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली, संगठन प्रभारी रतन लाल गाडरी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजू पालीवाल, विधायक जबर सिंह सांखला की अनुशंसा पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सावर गुर्जर की सहमति से महिला मोर्चा की कार्यकारिणी की घोषणा की,जिसमें उपाध्यक्ष सजना देवी वैष्णव भेरू खेड़ा, जनता देवी रावत अटाली, उर्मिला देवी गुर्जर बालापुरा, सोनिया देवी मेवाड़ा गागेड़ा, पूजा माली खेजड़ी व महामंत्री ऋषि राज कवर भगवानपुरा, रेखा देवी जाट हुरडा, पुष्पा देवी खटीक रूपाहेली, मंत्री संतोष देवी नाथ लांबा, ललिता देवी जाट परदोदास, मंजू देवी जैन हुरडा, सरोज देवी वैष्णव आगूचा, कोषाध्यक्ष रेखा देवी प्रजापत खेजड़ी, मीडिया प्रभारी मीना कंवर बडला ,आईटी प्रभारी कैलाश देवी टेलर भोजरास, सदस्य विमला योगी, स्नेहलता वैष्णव ,जमुना देवी ,हीरा देवी, शिमला देवी, शायरी देवी, सोहनी देवी, कुसमा देवी जाट ,मेमा देवी, बाली देवी, रेखा देवी, गीता देवी, आशा देवी ,अनीता देवी सहित को मनोनीत किया गया। महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा देवी अजमेरा ने सभी बहनों को एकजुट होकर 2023 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी है और सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को घर घर पहुंचा कर सभी को बता कर 2023 में प्रचंड बहुमत के साथ राजस्थान में सरकार बनानी है और सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी।

जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगा महंगाई राहत कैंप : मंत्री टीकाराम जूली

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा /अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र एवं राज्य के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को गहलोत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर महंगाई से राहत दिलाने के उद्देश्य से 24 अप्रैल से 30 जून तक पूरे प्रदेश में महंगाई राहत कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत शिविर में राज्य सरकार की 10 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन को मिलेगा, जिससे आमजन को केन्द्र की गलत नीतियों के कारण बढ़ती महंगाई की मार से राहत मिलेगी।

मंत्री जूली ने आमजन से की अपील

केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को संबल देने के उद्देश्य से महंगाई राहत शिविर आयोजित कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए आमजन से अपील की है कि महंगाई राहत शिविर में खुद का पंजीयन कराना सुनिश्चित कर अपने आसपास के लोगों को भी सूचित करे। उन्होंने बताया कि 24 व 25 अप्रेल को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में दो दिवसीय शिविर का आयोजन उमरैण व मालाखेडा ब्लॉक के अकबरपुर, बहादुरपुर के गांव कजाकपुर एवं नैथला, डहरा, देसूला, तूलेडा, खेडली सैयद, बीजवाड चौहान, माचडी, उपखंड कार्यालय मालाखेडा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालाखेडा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पृथ्वीपुरा में आयोजित होगे।

महंगाई राहत कैंप क्यों जरूरी है

मंत्री जूली ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को उनके अधिकारों, योजनाओं और उनकी पात्रता की पूरी जानकारी देकर जागरूक करने के साथ उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित 10 जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए शिविर में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। आमजन की सुविधा के लिए किसी भी जिले का व्यक्ति अन्य जिलों के कैम्पों में भी जनाधार के जरिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है।

कैंप का समय और स्थान

कैंप का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रखा गया है। आमजन अपने नजदीक लगने वाले कैंप का स्थान और सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट पर भी ले सकते हैं।

इन दस योजनाओं के लिए किया जाएगा रजिस्ट्रेशन

- मुख्यमंत्री गैस सिलेंडर योजना के तहत 500 रुपये में सिलेन्डर
- मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली
- मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना के तहत कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली
- मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के दायरे में आने वाले सभी लाभार्थियों को प्रत्येक माह निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट
- मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत महात्मा गांधी नरेगा में 100 कार्य दिवस पूरा करने वाले परिवारों को 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार एवं कथौड़ी, सहरिया तथा विशेष योग्यजन को 100 अतिरिक्त दिवस का रोजगार
- इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष में 125 दिन कार्य के अवसर
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत न्यूनतम 1000 रुपए पेंशन प्रतिमाह तथा प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की वृद्धि
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना की राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए
- मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत 2 दुधारू गौवंशीय पशुओं के लिए प्रति पशु 40 हजार रुपये का बीमा कवर

शिविर में प्रत्येक जरूरतमंद के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य

जूली ने बताया कि राज्य की गहलोत सरकार का ध्येय है कि प्रदेश का कोई भी जरुरतमंद व्यक्ति महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन से वंचित न रहे। इसके लिए प्रतिदिन 2700 महंगाई राहत कैंप लगाए जाएंगे। महंगाई राहत कैम्प के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को 10 योजनाओं में निःशुल्क रजिस्ट्रेशन के बाद मौके पर ही मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा कैम्पों के आयोजन से पहले आमजन को रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक लोगों तक राहत पहुंचाना सुनिश्चित किया जा सके।

सभी ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में लगेंगे मंहगाई राहत कैम्प

प्रदेश में 2000 स्थाई महंगाई राहत कैम्प जिला प्रशासन द्वारा राजकीय कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रशासन गांवों के संग अभियान के साथ तथा प्रत्येक नगरीय वार्ड में प्रशासन शहरों के संग अभियान के साथ 2 दिवसीय महंगाई राहत कैम्प का आयोजन होगा। इस प्रकार कुल 11283 ग्राम पंचायतों एवं 7500 वार्डों में कैलेण्डर के अनुसार 2 दिवसीय कैम्पों का आयोजन होगा। इन कैम्पों में रजिस्ट्रेशन एवं मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड वितरण के लिए पर्याप्त काउंटर लगाए जाएंगे।

वैष्णव समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 15 जोडे बने हम सफर

सितारा न्यूज नेटवर्क

बिजयनगर/ रामकिशन वैष्णव। आखातीज के अबूझ सावे पर वैष्णव समाज द्वारा आयोजित सामुहिक विवाह सम्मेलन श्री बामणिया बालाजी धाम देराठू पर सम्पन्न हुआ । सामुहिक विवाह में कुल 15 जोडे परिणय सुत्र में बंधे। परिणय सुत्र मे बंधने से पूर्व सभी की सामुहिक बारात निकाली गई। श्री वैष्णव युवा सेवा समिति नसीराबाद के तत्वावधान मे शनिवार (अक्षय तृतीया) को सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन बडी धूमधाम से सम्पन्न हुआ । सम्मेलन सचिव मुकेश वैष्णव ने बताया कि सम्मेलन मे 15 जोड़ो के परिणय सुत्र में बंधने से पूर्व सामुहिक बारात निकली, जो बालाजी मन्दिर पहुचने के पश्चात तौरण व वरमाला की रस्म हुई । पश्चात पाणिग्रहण संस्कार पंडित पवन दाधीच व साथी पंडितों के सानिध्य मे आयोजित हुआ । आशीर्वाद समारोह में अतिथियों का सम्मान , आशीर्वाद व विदाई समारोह आयोजित हुआ । कार्यक्रम मे वर व वधुओं को आशीर्वाद महन्त रामदास जी त्यागी (खारी का लाम्बा) व महन्त रामदास जी त्यागी (बामणिया बालाजी धाम) ने प्रदान किया । सम्मेलन मे पुष्कर मन्दिर रंगजी व्यवस्थाक सत्यनारायण रामावत ने समिति को 2 लाख 51 हजार का चेक प्रदान किया । समिति पदाधिकारियों द्वारा अतिथि अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुन्दर वैष्णव हरिद्वार , राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष उत्तम वैष्णव , जिला परिषद सदस्य खुशी राम वैष्णव, पूर्व सरपंच आशाराम वैष्णव कादेड़ा , ब्यावर समिति अध्यक्ष कैलाश वैष्णव , नागा मण्डल अध्यक्ष अशोक वैष्णव गोविन्दगढ , रघुनाथ देवमुरारी , केकडी छात्रावास अध्यक्ष सीताराम डाबर , पूर्व अध्यक्ष बजरंग वैष्णव बडला आदि अतिथियों का स्वागत किया गया। विवाह सम्मेलन में वर वधुओं जोडों को घरेलू सामान व उपहार स्वरूप प्रदान किया गया।

विधायक हुडला ने सोनम जाटव के किए पीले हाथ

सितारा न्यूज नेटवर्क

महवा। रामकुटी आश्रम पर विधायक डॉ.ओमप्रकाश हुडला ने अपनी धर्मपत्नी प्रेमप्रकाश हुडला के साथ मिलकर शनिवार को बड़ागाँव निवासी अनीता जाटव की बेटी सोनम जाटव के हाथ पीले कर पिता होने का फर्ज. निभाया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बड़ागांव निवासी अनिता जाटव के पति राजेंद्र जाटव का स्वर्गवास हो गया था अनीता जाटव के पास राजेंद्र जाटव 3 बेटियां और दो बेटे छोड़कर गया था जिनमें से अनीता जाटव ने एक बेटी का विवाह पहले ही कर दिया था। चार बच्चों का विवाह करना अभी शेष था। अनीता जाटव आर्थिक तंगी से परेशान थी तथा अपनी बेटी के विवाह को लेकर पिछले दिनों क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश हुडला से मिलकर गुहार लगाई। जिसको विधायक हुडला ने गंभीरता से लिया और जीवन में 10 हजार बेटियों की शादी करने के संकल्प में अनिता जाटव की बेटी सोनम जाटव का नाम भी जोड़ लिया और आज सोनम जाटव का विवाह हिंडौन निवासी विक्रम सिंह जाटव के साथ संपन्न कराया। सोनम जाटव के लिए विधायक हुडला ने सभी प्रकार का घरेलू सामान भेंट स्वरूप उपहार दिये। बारात के आगमन पर आगुनी का नेग डॉ.बी.आर अंबेडकर के चरणों में बैठकर सम्पन्न होने के पश्चात तोरण द्वार पर विधायक हुडला ने सह पत्नी पिता होने का फर्ज. निभाते हुए तोरण पर पुष्प वर्षा कर बारात का जोरदार स्वागत सत्कार किया स्वागत करते हुए सोनम और विक्रम सिंह के बीच वरमाला की रस्म अदा कराई उसके बाद देर रात्रि बेटी सोनम और विक्रम का पाणिग्रहण संस्कार करा कर सोनम को विधायक हुडला ने बेटी के रूप में बिदाई कर ज़िम्मेदारी का निर्वहन किया।

मेवाड़ रेगर समाज सुधार समिति के 68 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

रैगर समाज का सामूहिक विवाह महासम्मेलन संपन्न

सितारा न्यूज नेटवर्क

गंगापुर/ दिनेश लक्षकार । मेवाड़ रेगर समाज सुधार समिति मातृकुंडिया के तत्वाधान में क्षेत्र जैन जिला उदयपुर राजसमंद भीलवाड़ा चित्तौड़ के रेगर समाज के 68 जोड़े मेवाड़ की तीर्थ नगरी मातृकुंडिया में अक्षय तृतीया को तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे। समाज के मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से में नाचते गाते हुए विवाह स्थल पहुंची बिनोली में समाज के हजारों की संख्या में महिला पुरुष बालक रंग-बिरंगे नवीन वस्त्र धारण किए हुए नाचते गाते मनमोहक लग रहे थे । विवाह स्थल के मुख्य द्वार पर तोरण की रस्म अदा की गई गायत्री परिवार बड़ीसादड़ी के पंडित रमेश मोहिल एवं उनकी टीम के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के साथ हवन यज्ञ अग्नि के फेरे लेकर जीवन भर एक दूसरे के साथ निभाने सुख दुख में साथ निभाने सास ससुर को अपने माता-पिता मानने की शपथ लेते हुए परिणय सूत्र में बंधे वर-वधू को भामाशाह ने सामूहिक और व्यक्तिगत जीवन के सामान वस्तुएं कपड़े श्रृंगार के सामान गहने आदि उपहार में देखकर पुण्य लाभ प्राप्त किया कार्यक्रम की अध्यक्षता नाथूलाल कचनारिया एवं मुख्य अतिथि शंकरलाल फुलवारी कांगनी ने की विशिष्ट अतिथि की श्रंखला में भेरूलाल भगोरिया कांकरोली बगदीराम बागोरिया भिंडर नानूराम उज्जैनिया गंगरार चित्तौड़ लक्ष्मण लाल नोकिया उदयपुर ने की। कर्नल दुर्गा

प्रसाद बदलोटिया केकड़ी कैलास देवतवाल, मांगीलाल सक्रवाल प्रदेश अध्यक्ष रेगर युवा शक्ति राजस्थान, कमलेश मौर्य यशवंत करोतिया ,राजेश करोतिया, निर्मल करोतिया ,राकेश डीडवानिया एकलिंग , करोतिया मांगीलाल जारोटिया, भवानी शंकर मौर्य ए ई एन गोपीलाल ज्ञानगढ़ ,गोपाल लाल आसींद भागीरथ, आसींद रामलाल सुकरीया दिलीप कुमार मंदसौर, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश देवकिशन रेडिया, बंसीलाल सरपंच राशमी राधेश्याम जी एसआई पारसमल, भेरुलाल भोजपुरिया बंसी लाल कासोटिया लालचंद गोपाल से सरपंच मातृकुंडिया ने समारोह में पहुंचकर वर वधू को आशीर्वाद दिया मंच कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के और लोक देवता बाबा रामदेव की तस्वीर पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित करके किया गायत्री नगर और उनकी टीम ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी ।सम्मेलन में लगभग पच्चीस हजार से अधिक रेगर समाज के गणमान्य नागरिक साक्षी बने । गणेश लाल जाटोलिया काकरवा सुकलाल जी वागोरिया बाबूलाल रेगर कन्हैयालाल राजनगर ने मंच का सफल संचालन किया कार्यक्रम में समाज के विभिन्न विभूति 1 लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की तथा विनोद कुमार बरोलिया मोहन लाल रेगर बागोर नाथूलाल खारखन्दा रोशन लाल तनावा का खेड़ा एवं कई समाज के जागरूक नागरिकों ने कार्यक्रम की व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई समाज के समाजसेवी लोगों ने भाग लिया एवं कार्यक्रम में चार चांद लगाए डिंडोली के दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा हुई एवं कार्यक्रम के भामाशाहो व संपूर्ण समाज के आर्थिक शारीरिक मानसिक सहयोग से इतना बड़ा आयोजन कर पाए यह विस्तृत जानकारी मेवाड़ रेगर समाज सुधार समिति के अध्यक्ष नाथू लाल कचनारिया ने दी।

भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन यादव ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। भाजपा द्वारा आयोजित भारत सुशासन यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन यादव ने वहां के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री आवास पर सभी कार्यकताओं का साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष राजस्थान अर्जुन यादव ने बताया की भारत सुशासन यात्रा के दौरान पूरे भारत वर्ष के सभी राज्यों से 86 लोगों ने मध्यप्रदेश की यात्रा में भाग लिया । जिसमें राजस्थान से भी 6 कार्यकताओं ने सुशासन यात्रा का प्रतिनिधित्व किया ।इस दौरान इन्दौर , उज्जैन, भोपाल का भ्रमण करवाया गया एवं इन्दौर की स्वच्छता के बारे में बताया गया एवं बायो सी एन जी संयंत्र का भ्रमण किया गया, बाबा महाकाल के दर्शन भी हुए ।इस दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा विष्णु दत्त शर्मा, कृषि मंत्री कमल पटेल से भी मुलाकात की।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

कर्नाटक की एक रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस की अवधारणा के विपरीत जाति जनगणना की मांग को हवा दे दी है। यह समझा जा रहा है कि क्षेत्रीय दलों को साथ जोड़ने के लिए कांग्रेस ने जाति जनगणना की वकालत की है। देश में जाति आधारित राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दल जाति जनगणना की मांग करते रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में जाति जनगणना करवा रहे हैं। इससे पहले कर्नाटक में भी हुई थी, पर आंकड़े जारी नहीं किए गए। यूपी में भी अतीत में यह कवायद हो चुकी है। 2024 को देखते हुए जाति जनगणना के बहाने पिछड़े वर्ग को गोलबंद करने की विपक्ष की कोशिश कितनी परवान चढ़ेगी और जाति जनगणना के फायदे व नुकसान का आकलन करता आजकल का यह अंक...

जाति : प्रतिगामी या प्रगतिगामी

विश्लेषण

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

> **जातिगत जनगणना की राजनीतिक अपेक्षाएं सही नहीं उतरती हैं, तब आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जाता है। बिहार से पहले कर्नाटक में भी जातिगत जनगणना हुई थी, पर उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। भारतीय संविधान धर्म, प्रजाति, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव न करने के लिए संकल्पबद्ध है। संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 समानता पर केंद्रित हैं। अब तक सामाजिक व शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की परिभाषा नहीं की गई है। संविधान में 'जाति' शब्द से बचा गया है। शीर्ष कोर्ट की दृष्टि में पिछड़ेपन के निर्धारण के लिए जाति एकमात्र कारक नहीं हो सकती। आज की जरूरत के हिसाब से नए पैमाने की आवश्यकता है।**

भारतीय जनता पार्टी के हिंदुत्व के जवाब में विरोधी दलों ने सामाजिक न्याय के लिए एकताबद्ध होने का निश्चय किया है। गत 3 अप्रैल को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विरोधी दलों की बैठक इसी इरादे से बुलाई थी। हाल में कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने नारा लगाया, 'जितनी आबादी, उतना हक।' वस्तुतः यह बसपा के संस्थापक कांशीराम के नारे का ही एक रूप है, 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' राहुल गांधी ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जातीय आधार पर आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तक रखी है, उसे खत्म करना चाहिए। इसके पहले रायपुर में हुए पार्टी महाधिवेशन में इस आशय का एक प्रस्ताव पास भी किया गया है। ज़ाहिर है कि पार्टी ने मंडल-राजनीति का वरण करके आगे बढ़ने का निश्चय किया है। कांग्रेस पार्टी की जिन दलों के साथ गठबंधन की बातें चल रही हैं, उनमें से ज्यादातर मंडल-समर्थक हैं। इन पार्टियों की माँग है कि देश में जाति-आधारित जनगणना होनी चाहिए। बिहार सरकार ने इस मामले में पहल की है, जहाँ इन दिनों जातीय आधार पर जनगणना चल रही है, जो मई में पूरी होगी। इसके अलावा 2011 में हुए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्टों को सार्वजनिक करने की माँग भी की गई है। केंद्र सरकार इन दोनों बातों के लिए तैयार नहीं है। जुलाई 2022 में केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि 2011 में की गई सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना में हासिल किए गए जातिगत आंकड़ों को जारी करने की कोई योजना नहीं है। 2021 में सुप्रीम कोर्ट में दायर एक शपथ पत्र में केंद्र ने कहा, 'साल 2011 में जो सामाजिक आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई, उसमें कई कमियां थीं। इससे जो आंकड़े हासिल हुए , वे गलतियों से भरे और अनुपयोगी थे।'

सामाजिक अंतर्विरोध

विशेषज्ञ मानते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना देर सवेर होनी ही है। इस सवाल को राजनीति से अलग रखकर देखना भी मुश्किल है। राज्य सरकारें कई तरह की अपेक्षाओं के साथ जातिगत जनगणना करा रही हैं। जब उनकी राजनीतिक अपेक्षाएं सही नहीं उतरती हैं, तब जनगणना से मिले आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जाता है। बिहार से पहले कर्नाटक में भी जातिगत जनगणना हुई थी, पर उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसी तरह की एक जनगणना नब्बे के दशक में उत्तर प्रदेश में भी हो चुकी है। दुनिया के तमाम देश 'एफर्मेटिव एक्शन' के महत्व को स्वीकार करते हैं। ये कार्यक्रम केवल शिक्षा से ही जुड़े नहीं हैं। इनमें किफायती आवास, स्वास्थ्य और कारोबार से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, ब्राजील आदि अनेक देशों में ऐसे सकारात्मक कार्यक्रम चल रहे हैं। इनके अच्छे परिणाम भी आए हैं। सामाजिक शोध बताते हैं कि अमेरिका में गोरों की तुलना में कम अंक और ग्रेड लेकर विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश करने वाले अश्वेतों ने कालांतर में अपने गोरे सहपाठियों की तुलना में बेहतर स्थान पाया। भारत के संदर्भ में अर्थशास्त्री विक्टोरिया नैटकोवस्का, अमर्त्य लाहिड़ी और सौरभ बी पॉल

ने 1983 से 2005 तक पाँच राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के आँकड़ों विश्लेषण से साबित किया कि अनुसूचित जातियों, जनजातियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है।

सरकार ने हाथ खींचा

अगस्त 2018 में केंद्र सरकार ने 2021 की जनगणना की तैयारियों का विवरण देते हुए कहा था, कि इस जनगणना में पहली बार ओबीसी पर डेटा एकत्र करने की भी परिकल्पना की गई है। बाद में केंद्र सरकार ने इस बात से हाथ खींच लिया। दुर्भाग्य से कोविड के कारण जनगणना नहीं हो पाई है और 2024 के चुनाव के पहले यह संभव भी नहीं लग रही है। अलबत्ता चुनाव का एक मुद्दा यह जरूर बनेगी। जातीय आधार पर जनगणना कराने में दिक्कतें भी हैं, इसीलिए केंद्र में जब भी कोई सरकार आती है, तो वो अपना हाथ खींच लेती है। जब वह विपक्ष में होती है तो वह जातिगत जनगणना के पक्ष में बोलती है। ऐसा बीजेपी और कांग्रेस दोनों के साथ है।

जाति की भूमिका

भारतीय परिस्थितियों में जाति एक महत्वपूर्ण संकेतक है, पर हमारी जनगणना में जातियों की पहचान दर्ज नहीं होती है। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े डेटा का संकलन ही किया जाता है। सन 1931 में आखिरी बार देश की जनगणना में जातियों से जुड़े डेटा का संकलन किया गया था। सत्तर के दशक के बाद से देश में पिछड़ी जातियों के राजनीतिक नेतृत्व का उभार हुआ है और उनकी माँग है कि सत्ता में उनकी हिस्सेदारी भी उनकी जनसंख्या के अनुपात में होनी चाहिए। सबसे ताजा बिहार सरकार ने इस दिशा में कदम उठाया है। अदालतों की भावना है कि जाति भी नागरिकों का एक वर्ग है, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा हो सकता है। जाति का नाम और सामाजिक पहचान है, इसलिए उससे शुरूआत की जा सकती है। कई जगह गाँव का निवासी होना या पहाड़ी क्षेत्र का निवासी होना भी पिछड़ेपन का आधार बनता है। लेकिन भारत में जातियों की संख्या हजारों में है, इसलिए जनगणना के बाद उसे कैटेगरी में रखने से सबके साथ संख्या के आधार पर न्याय करना आसान नहीं होगा।

बचने की कोशिशें भी

जनगणना मूलतः केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए 1948 का जनगणना कानून है, जिसमें जातीय-जनगणना की व्यवस्था नहीं है। हमारे यहाँ दो समांतर प्रवृत्तियाँ देखने को मिली हैं। एक तरफ हम जाति के नाम से बचने की कोशिश करते हैं और दूसरी तरफ जीवन और समाज में जातियों की जबर्दस्त भूमिका को पाते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान जनगणना करने की शुरुआत साल 1872 में की गई थी। 1931 तक जितनी बार भी जनगणना हुई, उसमें जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज़ किया गया। स्वतंत्रता के बाद जब 1951 में पहली बार जनगणना हुई, तो केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े लोगों को जाति के नाम पर रखा गया। केवल इन दो वर्गों को ही विशेष सामाजिक वर्ग के रूप में मान्यता दी गई थी। भारत सरकार ने जातिगत जनगणना से परहेज़ किया और सुप्रीम कोर्ट ने माना कि क़ानून के हिसाब से जातिगत जनगणना नहीं की जा सकती, क्योंकि संविधान जनसंख्या को मानता है, जाति या धर्म को नहीं। सन 2001 की जनगणना के पहले यह माँग उठी कि हमें जातियों की संख्या की गिनती भी करनी चाहिए। वह माँग नहीं मानी गई। 2009 में तमिलनाडु की पीएमके ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की कि जनगणना में जातियों को भी शामिल किया जाए। यह अपील नहीं मानी गई।

भेदभाव बनाम न्याय

भारतीय संविधान धर्म, प्रजाति, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर व्यक्ति के साथ भेदभाव न करने के लिए संकल्पबद्ध है। संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 समानता पर केंद्रित हैं। देश में सबसे पहले जातीय आरक्षण के बारे में संवैधानिक व्यवस्था की ज़रूरत तब पड़ी जब 1951 के मद्रास राज्य बनाम चम्पकम दुरईराजन केस में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के सरकारी आदेश को रद कर दिया। इसके बाद संविधान के पहले संशोधन में अनुच्छेद 15 में धारा 4 जोड़ी गई। इस धारा में समानता के सिद्धांत के अपवाद के रूप में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को या अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। संविधान में संशोधन करते वक्त अजा-अजजा का नाम साफ लिखा गया। साथ ही अनुच्छेद 366(24)(25) के तहत और अनुच्छेद 341 और 342 में अजा-जजा की परिभाषा भी कर दी गई। अजा यानी अनुसूचित जाति व अजजा यानी अनुसूचित जन जाति।

अपरिभाषित पिछड़ापन

दूसरी तरफ सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की परिभाषा नहीं की गई। इसे परिभाषित करने के लिए 1953 में काका कालेलकर आयोग और 1978 में बीपी मंडल की अध्यक्षता में आयोग बनाए गए। दोनों आयोगों की रपटों में पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण आधार जाति है। संविधान की शब्दावली में सामाजिक और शैक्षिक रूप से 'पिछड़े वर्गों' का उल्लेख अपेक्षाकृत निरपेक्ष है। इसमें 'जाति' शब्द से बचा गया है। हालांकि तबसे ज्यादातर अदालती फैसलों में जाति एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, पर केवल मात्र जाति पिछड़ेपन का आधार नहीं है। 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने जाटों को आरक्षण देने के केंद्र के फैसले को रद करने के साथ स्पष्ट किया था कि आरक्षण के लिए नए आधारों को भी खोजा जाना चाहिए। अदालत की दृष्टि में केवल ऐतिहासिक आधार पर फैसले करने से समाज के अनेक पिछड़े वर्ग संरक्षण पाने से वंचित रह जाएंगे, जबकि हमें उन्हें भी पहचानना चाहिए। अदालत ने 'ट्रांस जेंडर' जैसे नए पिछड़े ग्रुप को ओबीसी के तहत लाने का सुझाव देकर इस पूरे विचार को एक नई दिशा भी दी थी। कोर्ट ने कहा कि हालांकि जाति एक प्रमुख कारक है, लेकिन पिछड़ेपन के निर्धारण के लिए यह एकमात्र कारक नहीं हो सकता। इसलिए आज जब पिछड़ेपन को लेकर हम किसी भी नतीजे पर पहुंचना चाहें तो इसका आधार केवल जाति न हो।

जाति की राजनीति

जाति से जुड़े कई सवाल अभी निरुत्तरित हैं। मसलन क्या कोई वर्ग अनंत काल तक सामाजिक और शैक्षिकरूप से पिछड़ा रहेगा। पूरा वर्ग न भी रहे तो क्या उसका कोई हिस्सा पिछड़ेपन से कभी उबरेगा? इस दृष्टि से मलाईदार परत की अवधारणा बनी है। संसद और कार्यपालिका का यह दायित्व है कि मलाईदार परत को अलग करे। जनगणना में जाति की पहचान होने से सिर्फ बेस डेटा मिलेगा। इससे यह पता भी लगेगा कि किस जाति के लोग कहाँ पर और किस संख्या में हैं। यह वास्तविकता है, जो सरकारी आँकड़ों में भी आ जाएगी। ऊँच-नीच का हल शहरीकरण से हो जाएगा, पर जातीय पहचान अलग चीज़ है। वह इतनी आसानी से खत्म नहीं होगी। अलबत्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था में जाति औपचारिक रूप लेगी। भाजपा को लोग हिन्दू सवर्णों की पार्टी मानते हैं, पर उसमें ओबीसी सांसदों और विधायकों की भरमार है। हमें इन बातों से भागना नहीं, समझना चाहिए। राजनीति की समावेशी और वर्ग आधारित अवधारणा ही विकसित होनी चाहिए। दरअसल देश को हमें जातिमुक्त समाज की ओर लेकर जाना चाहिए, इसके लिए जरूरी है कि जातिपरक चीजों से शनैः शनैः बाहर निकलना चाहिए। जातिगत राजनीति से हम पीछे जाएंगे।

भारत में तीन हजार जातियां व पचीस हजार उपजातियां!

जाति व्यवस्था प्राचीन काल से भारतीय समाज में मौजूद है। जाति व्यवस्था देश में लोगों के धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक जीवन पर असर डाल रही है। ऋग वैदिक कालीन वर्ण व्यवस्था (व्यवसाय के आधार पर निर्धारण) उत्तर वैदिक काल के आते-आते जाति व्यवस्था (जन्म के आधार पर निर्धारण) में परिवर्तित हो गई थी। विकास सिद्धान्त के अनुसार सामाजिक विकास के कारण जाति प्रथा की उत्पत्ति हुई है। जाति प्रथा का प्रचलन केवल भारत मे नहीं बल्कि मिस्त्र, यूरोप आदि मे भी अपेक्षाकृत क्षीण रूप मे विदयमान थी। 'जाति' शब्द का उदभव पुर्तगाली भाषा से हुआ है। पीए सोरोकिन ने अपनी पुस्तक 'सोशल मोबिलिटी' मे लिख है, मानव जाति के इतिहास में बिना किसी स्तर विभाजन के, उसने रह्ने वाले सदस्यों की समानता एक कल्पना मात्र है। सीएच फूले का कथन है वर्ग-विभेद वंशानुगत होता है, तो उसे जाति कह्ते है। सामुदायिक मत के अनुसार जब विभिन्न समुदाय संगठित होकर अपनी अलग जाति का निर्माण करते हैं, तो इसे जाति प्रथा की उत्पत्ति कहते हैं। भारत में 3,000 जातियाँ और 25,000 उप-जातियाँ हैं, प्रत्येक एक विशिष्ट व्यवसाय से संबंधित हैं।

परिभाषा तय नहीं

समाजशास्त्री जी.एस. घुर्ये ने 1932 में लिखा कि बहुत से लोगों द्वारा बहुत अध्ययन किए जाने के बावजूद, हमारे पास जाति की वास्तविक सामान्य परिभाषा नहीं है। घुर्ये ने कहा कि जाति के औपनिवेशिक निर्माण ने आर्थिक अवसरों के लिए भारत में अनुकूल जाति वर्गीकरण के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को जीवंत, विभाजन और लॉबिंग का नेतृत्व किया और इसने जाति की अवधारणा में नई जटिलताएं जोड़ दीं। ग्राहम चैपमैन ने ध्यान दिया कि सैद्धांतिक निर्माण और व्यावहारिक वास्तविकता के बीच अंतर हैं। इंडोलॉजिस्ट रोनाल्ड इंडेन इस बात से सहमत हैं कि जाति की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है ।

संविधान में सबको समानता

भारत के एक लोकतांत्रिक देश के नाते संविधान के अनुच्छेद 15 में राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किए जाने की बात कही गई है। संविधान के अनुच्छेद 16 में कहा गया है कि राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिये अवसर की समता होगी। अनुच्छेद 17 में अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है। चूंकि जाति व्यवस्था समानता नहीं बल्कि दो वर्गों में वरिष्ठता के सिद्धांत को मानती है अतः यह लोकतंत्र के विरुद्ध है। ये विडंबना ही है कि देश को आजाद हुए सात दशक से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी हम जाति प्रथा के चंगुल से मुक्त नहीं हो पाएं हैं। यहाँ तक की लोकतांत्रिक चुनावों में भी जाति एक बड़े कारक के रूप में विद्यमान है। वास्तव में जातिप्रथा संविधान में वर्णित सामाजिक न्याय की अवधारणा की प्रबल शत्रु है। जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए संवैधानिक प्रावधान के तहत विभेद का प्रतिषेध किया गया है। राज्य के अधीन किसी नियोजन या पद के संबंध में केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव, जन्मस्थान, निवास या इनमें से किसी के आधार पर न तो कोई नागरिक अपात्र होगा और न उससे विभेद किया जाएगा।

जातिगत भेदभाव खत्म करने के सरकारी प्रयास भी जारी

संविधान के अनुच्छेद 21ए में अंतःस्थापित 'शिक्षा का अधिकार' के तहत कहा गया है कि 'राज्य, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले सभी बच्चों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देने का ऐसी रीति में, जो राज्य विधि द्वारा अवधारित करे, उपबंध करेगा।' प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, संकल्प योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि के जरिये विभेद को खत्म करने के सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। हाल के वर्षों में सकारात्मक कार्रवाई नीतियों और शिक्षा जैसे उपायों के माध्यम से जाति व्यवस्था को खत्म करने और अधिक सामाजिक तथा आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के प्रयास किये गए हैं। हालाँकि, जाति व्यवस्था भारतीय समाज का एक गहरा उलझा हुआ पहलू है और इसके नकारात्मक प्रभावों को दूर करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

जातीय राजनीति को हवा देने की चाल

जाति जनगणना

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

पारंपरिक चुनावी रणनीति से इतर कांग्रेस अब जातिगत जनगणना की मांग उठाकर क्षेत्रीय दलों के साथ आ खड़ी हुई है। इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जाति आधारित जनगणना की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। पत्र में दावा किया है कि ' 2011-12 में कांग्रेस नेतृत्व वाली मनमोहन सिंह सरकार में 25 करोड़ परिवारों की सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना कराई गई थी। किन्तु मई 2014 में आपकी सरकार बनने के बाद से अब तक कई कारणों के चलते इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। मुझे आशंका है कि नवीनतम गणना के अभाव में सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के संदर्भ में विशेषकर पिछड़ा वर्ग का कल्याण असंभव है, क्योंकि प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध ही नहीं हैं।' इस पत्र में ओबीसी की चिंता तो है,लेकिन अनुसूचित जाति और जनजातियों की चिंता नहीं कि गई है। इधर कर्नाटक के बीदर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि ' जातिगत आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाकर दलित और पिछड़ों को जाति की संख्या के आधार पर आरक्षण दिया जाए।' बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तुरंत कांग्रेस की मांग का समर्थन भी कर दिया है। लेकिन यहां सोचने की बात है कि यदि किसी वर्ग की मुख्य जाति की तुलना में यदि उसी वर्ग की उपजाति की संख्या अधिक निकलती है तो क्या आरक्षण की सुविधा को उपजातियों में विभाजित कर संख्याबल के आधार पर आरक्षण दिया जाएगा? साफ है झगड़े बढ़ेंगे।

यह तथ्य अपनी जगह ठीक हो सकता है कि जाति, शिक्षा और आर्थिक आधार पर एकत्रित आंकड़े जनकल्याणकारी योजनाओं को अमल करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन आरक्षण को लेकर समाज में जो दुविधाएं और कुंठाएं पनप रही हैं, वहीं परिणति जाति आधारित गणना में भी देखने को मिल सकती है? क्योंकि आरक्षण का आधार तो जातीय आधारित गिनती ही है। देश के सभी राजनीतिक दल जातीय समीकरण के आधार पर ही चुनाव में टिकट बांटते हैं। सपा, बसपा, जनता दल, जदयू और असदुद्दीन ओवैसी का दल एआईएमआईएम तो संप्रदाय आधारित हैं। इस लिहाज से यह कहना गलत नहीं लगता कि जातीय गिनती से समाज की संरचना दूषित होगी? वर्तमान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों की गिनती जातीय आधार पर ही होती है, फिर भी जातीय ताना-बाना अपनी जगह बदस्तूर है। नीतीश कुमार ने तो अति-पिछड़ी और अति-दलित जातियों के विभाजन के आधार पर ही जदयू का वजूद कायम किया हुआ है। अब वे बिहार में सरकार के बूते ही जातिगत जनगणना करा रहे हैं, जबकि यह केंद्र का विषय है।

यदि तथ्यों पर जाएं तो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर उपरोक्त बयानों के आने से पहले तक कांग्रेस जातीय जनगणना का विरोध करते रहे हैं। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग से जाति आधारित एक रिपोर्ट तैयार कराई थी, लेकिन दबाए रखी। नब्बे के दशक में प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने अपनी सत्ता बचाने के लिए इस रिपोर्ट का न केवल खुलासा किया बल्कि आयोग की सिफारिशें लागू भी कर दी थीं, तब से जातीय गणना की मांग तीव्रता से उठती रही है। बिहार समेत अन्य प्रांतों से यह मांग भिन्न विचारधारा वाले राजनीतिक दल उठाते रहे हैं। दरअसल मंडल के बाद मुलायम सिंह, लालू प्रसाद, शरद यादव और नीतीश कुमार ने इस राजनीति को धार दी। इसी का परिणाम निकला कि उत्तर-प्रदेश और बिहार में यह राजनीति कांग्रेस को बेदखल करके उत्कर्ष के चरम पर पहुंची है। डॉ राममनोहर लोहिया की समाजवादी वैचारिकता से उदय हुई इस राजनीति का नारा है कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' इन्हीं मांगों के चलते 2011 की जनगणना के साथ अलग से एक प्रारूप पर सामाजिक, आर्थिक और जाति आधारित जनगणना की गई थी,जो आज भी ठंडे बस्ते में बंद है। किंतु मूल जनगणना के साथ की गई इस गिनती के आंकड़े न तो मनमोहन सिंह सरकार ने उजागर किए और न ही नरेंद्र मोदी सरकार ने? अब कांग्रेस इसलिए जातिगत की मांग उठा रही है, क्योंकि वह बिहार और उत्तर प्रदेश में हुए अपने हश्र से उबर नहीं पा रही है। जबकि भाजपा क्षेत्रीय दलों के मुखियाओं के सामाजिक न्याय को खोखला साबित करते हुए उनके परिवारवाद और भृष्टाचार पर लगातार प्रहार करते हुए उनके वर्चस्व को सीमित कर रही है।

इस तरह की गणना की मांग करने वाले नेताओं का कहना है कि इसके निष्कर्ष से निकले आंकड़ों के आधार पर जिन जातियों की जितनी संख्या है, उस आधार पर कल्याणकारी योजनाओं के साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिले ? लेकिन यदि हमारे नीति-नियंताओं में जरा भी दूर दृष्टि है तो पहले, इस विषय पर एक राष्ट्रीय विमर्श कराएं और फिर इससे निकले निष्कर्ष पर अमल करें। दरअसल जातिगत जनगणना एक ऐसा मुद्दा है, जिसमें सतह पर तो खूबियां दिखाई देती हैं, लेकिन अनेक डरावनी आशंका भी इसके गर्भ में छिपी हैं। बहरहाल आनन-फानन में ऐसे गंभीर मुद्दे पर कोई आसान निर्णय भविष्य में कठिन साबित हो सकता है ? हालांकि भारत में 1931 की जनगणना जाति के आधार पर हुई थी। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया गया है कि पिछड़े वर्ग की आबादी 52 फीसदी है, जिसे इस गणना के पैरोकार 60 फीसदी तक मानते हैं। 2011 में जिलेवार जातियों का नमूने के आधार पर पिछड़ेपन का आंकलन किया गया था, लेकिन इसके नतीजे विसंगतिपूर्ण देखने में आए। निष्कर्षतः कोई जाति एक जिले या एक प्रांत में पिछड़ी थी, तो वही जाति दूसरे प्रांत में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप में सक्षम व संपन्न थी। राजस्थान में मीणा समुदाय, जहां समर्थ है, वहीं मध्य-प्रदेश में पिछड़ा है। इस कारण मध्य-प्रदेश में यह जाति आरक्षण के दायरे में आती है। साफ है, जातिगत गणना के परिणामों को संख्याबल के आधार पर आरक्षण दिया जाता है तो समाज में विषमता के साथ कटुता भी उत्पन्न होगी।यहां यह भी प्रश्न मुंहबाये खड़ा है कि यदि पिछड़े वर्ग में आने वाली जातियां यादव,किरार,रावत,गुर्जर आदि में से यदि किसी जाति ने गणना के बाद आंकड़ों के आधार पर उसी वर्ग उपजाति आधारित आरक्षण की मांग कर दी तो क्या विभाजित आरक्षण के प्रावधान किए जाएंगे? भारत में यह विडंबना है कि जातीय वर्गों में अनेक उपजातियां हैं और एक जाति दूसरी जाति से अपने को श्रेष्ठ मानती है। इसीलिए इन जातियों में रोटी-बेटी का संबंध नहीं है।

बृहत्तर हिन्दू समाज (हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिख) में जिस जातीय संरचना को ब्राह्मणवादी व्यवस्था का दुष्चक्र माना जाता है, हकीकत में यह व्यवस्था इतनी पुख्ता है कि इसकी तह में जाना मुश्किल है। मुस्लिम समाज में भी जाति प्रथा पर पर्दा डला हुआ है। अभिजात्य मुस्लिम वर्ग यही स्थिति बनाए रखना चाहता है, जबकि मुसलमानों की सौ से अधिक जातियां हैं, परंतु इनकी गिनती की पहचान का आधार धर्म और लिंग है। शायद इसीलिए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा है कि 'जाति ब्राह्मणवादी व्यवस्था का कुछ ऐसा दुष्चक्र है कि हर जाति को अपनी जाति से छोटी जाति मिल जाती है। यह ब्राह्मणवाद नहीं है, बल्कि पूरी की पूरी एक सायकल है। अगर यह जातिचक्र एक सीधी रेखा में होता तो इसे तोड़ा जा सकता था। यह वर्तुलाकार है। इसका कोई अंत नहीं है।' अर्थात इससे मुक्ति का कोई उपाय नहीं है। वैसे भी धर्म के बीज-संस्कार जिस तरह से हमारे बाल अवचेतन में, जन्मजात संस्कारों के रूप में बो दिए जाते हैं, कमोबेश उसी स्थिति में जातीय संस्कार भी नादान उम्र में उड़ेल दिए जाते हैं। अतएव इस तथ्य को एकाएक नहीं नकारा जा सकता कि जाति एक चक्र है। यदि जाति चक्र न होती तो अब तक टूट गई होती? यदि संविधान में आशंकि जातिगत आरक्षण का प्रावधान नहीं होता तो शायद टूट गई होती? अतएव इस संकीर्ण सोच से क्या सामाजिक लक्ष्य हासिल होंगे, यह तो भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन जाति आधारित राजनीति को बल मिलने के साथ जाति आधारित आरक्षण की मांग जरूर पुरजोरी से उठने लग जाएगी,जिसे अब कांग्रेस ने भी उछलना शुरू कर दिया है। आगे लोकसभा चुनाव को देखते हुए जाति जनगणना विपक्ष की सियासत के केंद्र में जरूरी रहेगी।

विश्व किताब दिवस पर विशेष ...

किताबों की अद्भुत व रोचक दुनिया

किताबों की दुनिया अद्भुत है, किताबों से जिंदगी बदलती है। किताबों में निहित ज्ञान-विज्ञान की बातें जीवन को दिशा प्रदान करती हैं। जीवन के हर पड़ाव पर और उतार चढ़ाव में किताबों से दोस्ती ने बहुत साथ निभाया। जब भी समय मिला किताबों के पन्ने पलटे, एक अच्छी किताब आपके जीवन को बदल देने की क्षमता रखती है। यह हमारी अमूल्य धरोहर है। अब धीरे-धीरे डिजिटल इंटरनेट के युग में किताबों का डिजिटलीकरण हो गया है। लेकिन किताबों की बात कुछ अलग है। आने वाली पीढ़ी को किताबों के प्रति जागरूक करने और महत्व से परिचित कराना बहुत जरूरी है। जब भी मुझे पॉकिट मनी मिली, मैंने उनसे अपने लिए किताबें खरीदी और घर में एक छोटी सी लाईब्रेरी बना ली। ज्यादातर महापुरूषों की जीवनी स्वामी विवेकानंद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा आम्टे सहित विभिन्न किताबों का संग्रह किया। फिर एक सिलसिला सा चल पड़ा। विभिन्न अवसरों पर मित्रों एवं परिजनों ने किताबें उपहार में दी। मोटिवेशनल, प्रेरणादायक किताबों में मेरी अभिरूचि बढ़ी, जब मैंने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की किताब अग्नि की उड़ान और इग्नाइटेड माइंड्स पढ़ी। बिटिया जब एक साल की थी तब कुछ बोल नहीं पा रही थी, लेकिन मुझे महसूस हुआ कि कोई बात है जो बता नहीं पा रही है, स्वास्थ्य निरंतर गिर रहा था, वजन भी कम हो गया था। डॉक्टर ने बताया कि बच्ची को डाइलेटेड कार्डियोम्योपेथी नाम की गंभीर बीमारी है, जो लाइलाज है। पूरी रिपार्ट जानकर हमारे तो पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। इस बीमारी में हृदय पूरे शरीर में रक्त की आपूर्ति नहीं कर पा रहा था। एम्स दिल्ली में इलाज शुरू हुआ, लेकिन वह तकलीफदेह था। शिशु वार्ड में छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में केनुला लगा हुआ था। इस बीच मैंने रोंडा बर्न की 'द पावर में हेल्थ वाला वाला पार्ट कई बार पढ़ी। जिसमें एक स्थान पर लिखा है। आप बीमार व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। बीमार व्यक्ति अपनी जिन भावनाओं द्वारा स्वस्थ होने के लिए स्वयं को प्रेरित कर रहा है, आप उसके परे तो नहीं जा सकते, लेकिन आपकी शक्ति उसे स्वास्थ्य की फ्रीक्वेन्सी तक ऊपर उठा सकती है। इसी बीच लाइब्रेरी में डॉ. जॉन एफ डीमार्टिनी की किताब काउंट योर ब्लेसिंग्स, द हीलिंग पावर ऑफ ग्रेटिट्यूड एंड लव पढने को मिली। हार्ट की बीमारी से ग्रसित रिच डिवास का संघर्ष और आशा का संदेश जैसी किताबें मिली। मैं बहुत दुख के बावजूद सकारात्मक बनी रही। जिसमें किताबों का बहुत योगदान रहा। सात माह के बाद बच्ची ने इस बीमारी से पूर्ण रिकवरी ली। डॉक्टर ने कहा कि यह एक अद्भुत चमत्कार है। बच्ची को अब किसी भी दवाई की जरूरत नहीं है और आप ईश्वर को धन्यवाद दें। साहित्यिक के साथ ही प्रेरणादायक किताबों में मेरी विशेष रूचि रही। धर्मवीर भारती ने तीन कालजयी कृतियां गुनाहों का देवता, सूरज का सातवां घोड़ा, अंधा युग जैसे चुनिंदा बहुमूल्य उपहार दिए। गुनाहों का देवता उपन्यास पढने के बाद बहुत दिनों तक उसका असर दिलो-दिमाग में बना रहा। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कृति 'उसने कहा था, हिन्दी साहित्य में मील का पत्थर है। मुंशी प्रेमचंद की कथाएं, फणीश्वर नाथ रेणु का मैला आंचल पढना उस दुनिया में कुछ देर के लिए चले जाना जैसा है। लघु कथाओं में विशेष रूचि होने के कारण मैंने अपने अवकाश के क्षणों में वे सभी लघु कथाएं पढ़ी, जो मुझे उपहार में मिली थी। कथाओं की रोचकता और उनके अनोखे संसार से परिचित होने का एक अवसर मिला। महाश्वेता देवी, मन्नू भण्डारी, रविन्द्रनाथ टैगोर, यशवंत, अंतोन चेखव, खलील जिब्रान, मोपांसा, शरदचंद्र बहुत पसंद आयी। महाश्वेता देवी की लघु कथाएं बीज, बेहुला में सामाजिक विषमता पर प्रहार किया गया है। वहीं एक नए परिवर्तन की शुरूआत की दस्तक को कथा के माध्यम से पिरोया गया है। महाश्वेता देवी के आम जन जीवन से जुड़ी कहानियों के अंत भाग में शोषण के प्रति जनसामान्य का विद्रोह उभरकर सामने आता है। रशियन कथाकार अंतोन चेखव की मर्मस्पर्शी एवं संवेदनशील कहानियां पाश्चात्य कहानियों की एक दूसरी ही दुनिया में ले जाती हैं। वे व्यंग्यात्मक लिखते हैं, लेकिन कभी-कभी उनकी कहानियां अंतर्मन को झकझोर देती हैं। पाश्चात्य कथाकारों की कहानियों का सही तरीके से अनुवाद होने पर उनमें रोचकता बनी रहती है। मन्नू भण्डारी की छोटी-छोटी कहानियां प्रेरणादायक हैं। वही अमृता प्रीतम की कहानियां जटिल एवं जीवन की सच्चाईयों को रेखांकित करती है। हिन्दी की लघु कथाओं के अलावा विश्व की प्रसिद्ध लघु कथाओं को पढ़ना बहुत ही रूचिकर रहा।

-लेखक - डॉ. उषा किरण बड़ाईक,
उप संचालक, जिला जनसंपर्क कार्यालय, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

आपसी समझाईश से मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से संभव

सितारा न्यूज नेटवर्क

गंगापुर/ दिनेश लक्षकार। तालुका विधिक सेवा समिति गंगापुर द्वारा तहसील कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 मई 2023 के संबंध में "डोर टू डोर स्टेप प्री काउंसलिंग शिविर" का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लोक अदालत की भावना से मामलो को आपसी समझाइश से निस्तारित करने हेतु लोगो को प्रेरित एवम् जागृत करना था। शिविर में अधिवक्ता अरविंद चौधरी, मदनलाल जीनगर, फतेह लाल लोहार, कुलदीप जी शर्मा, जाकिर हुसैन रंगरेज, पैरा लीगल वालंटियर रामेश्वर लाल बैरवा तथा तालुका समिति के सचिव भूपेंद्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

मुरारीलाल बंसल को बनाया गया दौसा जिला महासचिव

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)/महेश चन्द मीना। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत संगठन लगातार दिन प्रतिदिन लोकप्रिय होता है और रोज प्रतिदिन इस संगठन मे आमजन जुड़ता ही जा रहा है और संगठन को मजबूती मिलती ही जा रही है , इसी योजक कडि मे दौसा जिला महासचिव के रुप मे मण्डावर (दौसा) से मुरारीलाल बंसल को राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीना के द्वारा नियुक्ति दी गई है और संगठन मे यह नियुक्ति राजस्थान प्रदेश संयुक्त सचिव महेश चन्द मीना(खोहरा चौहान) की सिफारिश पर दी गई है। मिडिया को यह सारी जानकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीना के द्वारा दी गई है और साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष मीना ने मिडिया को बताया कि हमारे संगठन का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा ही सर्वोपरि सिद्धांत है। सम्बन्धित जिम्मेदार उच्चाधिकारीगण से सहयोग प्राप्त आमजन की सेवा करने मे विश्वास रखते है तथा संगठन के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ जबरदस्त मुहिम चलाई जा रही है , भ्रष्टाचारी की पोल खोलने के आरटीआई एक्ट 2005 का भी उपयोग किया जाता है और महिलाओ के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई जाती है तथा बाल श्रम के खिलाफ लगातार आवाज उठाई जा रही है और पुलिस प्रशासन को संगठन द्वारा भरपूर सहयोग दिया जाता है , इस तरह से अनेक प्रकार से आमजन की सेवा की जा रही है हमारे संगठन द्वारा जिससे संगठन भारत देश के सभी राज्यो मे दिन प्रतिदिन लोकप्रिय होता ही जा रहा है।

समाजसेवी, भामाशाह कावड़िया सभी के लिए रहते हैं हमेशा तत्पर

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल) । शहर के निकटवर्ती मसूदा विधानसभा के भामाशाह सुनील कुमार कावड़िया सदैव लोगों के लिए तत्पर रहते हैं जिसके परिणाम स्वरूप था प्रतिदिन किसी ना किसी व्यक्ति की सहायता के लिए खड़े रहते हैं । यही कारण है कि उक्त क्षेत्र में उन्हें सदैव लोग अपने हृदय में तिरोहित किए हुए हैं रविवार को विजयनगर स्थित नाड़ी मोहल्ला में रामदेव सौजी गुर्जर कि पुत्रियों के विवाह में पहुंचे उन्होंने तीनों बच्चियों के लिए एक-एक चांदी की पायल में तुलसी माता के लिए 1100 रु का कन्यादान दिया वह सभी ने भामाशाह का व पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा व पूर्व विजयनगर चेयरमैन इंद्रजीत मेवाड़ा का मान सम्मान किया ग्राम पंचायत पडांगा के गांव सवाईपुरा व अर्जुनपुरा गांव के धीरा गुर्जर ,रतन गुर्जर, रंग लाल गुर्जर सभी जन साथ मौजूद रहे।

लाइट डेकोरेशन निविदा पर भीलवाड़ा एसोसिएशन ने जताई आपत्ति, दिया ज्ञापन

भीलवाड़ा/ डॉ चेतन ठठेरा । नगर परिषद द्वारा शहर में लाइट डेकोरेशन का कार्य करवाने के लिए सन 2023-24 के लिए 13 अप्रैल को ऑनलाइन निविदा सूचना 1/2023-24 जारी की थी इस निविदा में सर्च संख्या 7 को लेकर भीलवाड़ा लाइट डेकोरेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद असलम सचिव बालक ट्रस्ट शैक्षणिक उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण विश्नोई कोषाध्यक्ष राजेश ओझा सहित कई ठेकेदारों ने नगर परिषद आयुक्त हेमाराम और सभापति राकेश पाठक को मिलकर ज्ञापन दिया जिसमें बताया गया कि शहर में लाइट डेकोरेशन का कार्य करने वाले लगभग 40 ठेकेदार हैं जो लाइट संबंधित कार्य करने का लंबा अनुभव रखते हैं किंतु परिषद द्वारा जारी ऑनलाइन निविदा सूचना में बिंदु सिंह के साथ में लाइट संबंधित कार्य हेतु विद्युत निरीक्षक का उपयुक्त क्लास का डिजिटल लाइसेंस प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न करना आवश्यक रूप से मांगा गया है जो गलत है और इससे आभास होता है कि नगर परिषद द्वारा किसी व्यक्ति विशेष या फार्म को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह शर्त अंकित की गई है जबकि पूर्व में यह शर्त कभी भी नहीं अंकित होती थी और नियमानुसार जरूरी भी नहीं है अतः सभी ठेकेदार आपसे निवेदन करते हैं कि इस सात नंबर की शर्त को उस निविदा से हटाए ताकि अन्य ठेकेदार भी निविदा में भाग ले सके और शहर को परिषद का लाइट डेकोरेशन का कार्य और अच्छा, सुदृढ और व्यवस्थित हो सके । एसोसिएशन की ओर से दिए गए ज्ञापन पर सभापति ने विद्युत शाखा के एक्सईएन को इस मामले में डिस्कस कर राहत देने की बात कही है तथा आयुक्त ने भी इस मामले को देखने का आश्वासन दिया है।

केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मणिपुर में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने पहुँचे लाम्बा

जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से देश के विभिन्न राज्यों के युवा एवं खेल मंत्रियों सहित उनके सचिवों की 24 व 25 अप्रैल को मणिपुर के इम्फाल में आयोजित होने वाली नेशनल कांफ्रेंस में राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा और राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. जी. एल. शर्मा प्रतिनिधित्व करेंगे. इस कांफ्रेंस की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस को लेकर लांबा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का युवाओं पर समर्पित बजट और उनकी योजनाओं का लाभ प्रत्येक वर्ग के युवा को लाभान्वित कर रहा है इसी का फल है कि आज प्रदेश के युवा विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

लक्ष्मणगढ़ में सड़क किनारे व्यापारी का शव मिलने से फैली सनसनी

मृतक की पत्नी को नोकरी व मुआवजा की मांग को लेकर 10 घन्टे नही उठाया शव

लक्ष्मणगढ़ वाया मालाखेड़ा सड़क मार्ग पूरे दिन रहा जाम, कस्बे के बाजार भी रहे बंद

सितारा न्यूज नेटवर्क

लक्ष्मणगढ़(अलवर)। कस्बे में रविवार की सुबह सड़क किनारे कस्बे के एक व्यापारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार कस्बे के जालूकी रोड़ पर ऑटो पाटर्स की दुकान चलाने वाले कस्बा निवासी दिनेश शर्मा(40) पुत्र श्रीराम शर्मा का रविवार की सुबह कस्बे के बावड़ी के समीप सड़क किनारे शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिनेश शर्मा शनिवार की शाम लगभग 7 बजे से घूमने के लिये घर से निकला था जो वापस घर नही पहुचा। रात्रि को 9 बजे बाद उसका मोबाईल फोन भी बंद हो गया। रविवार की सुबह 5 बजे लोग जब मॉर्निंग वॉक के लिये निकले तो लोगों ने दिनेश शव सड़क किनारे पड़ा हुआ देखा। वही व्यापारी

का शव मिलने की खबर कुछ देर में आग की तरह फैल गई। कुछ देर में हजारों की तादाद में लोग मौके पर एकत्रित हो गये। वही सूचना मिलते ही डीएसपी राजेश शर्मा, एसडीएम सुभाष यादव, एसएचओ अवतार सिंह गुर्जर, बड़ौदामेव एसएचओ हितेश शर्मा, गोविन्दगढ़ एसएचओ ताराचंद शर्मा मय पुलिस जाप्ते मौके पर पहुचे। इस बीच अलवर से डॉग स्क्वायड व एफएसएल की टीम मौके पर पहुची ओर बारीकी से साक्ष्य एकत्रित किये। इधर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल ले जाने लगी तो लोगों ने शव को नही उठाने दिया ओर हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार करने, मृतक की पत्नी को सरकारी नोकरी तथा 20 लाख रुपये का मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर लक्ष्मणगढ़ मालाखेड़ा मार्ग पर सड़क पर धरने पर बैठ गये। जिससे लक्ष्मणगढ़ मालाखेड़ा सड़क मार्ग पर जाम लग गया। वही धरने में भाजपा नेता पूर्व चेयरमैन बन्नाराम मीना व भाजपा नेता व पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय समर्थलाल मीना, ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष मोहन स्वरुप शर्मा, ब्राह्मण युवा परिवार के जिला अध्यक्ष आकाश मिश्रा, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री प्रदीप जैन, पूर्व जिला मंत्री मुकेश पटेल शामिल हुए। इस बीच प्रशासन व धरना दे रहे लोगों के बीच कई बार वार्ता हुई। वार्ता में कई बातों पर सहमति बन गई लेकिन मृतक की पत्नी को नोकरी देने की मांग पर सहमति नही बन पाई। गौरतलब है कि एसडीएम सुभाष यादव के द्वारा मृतक की पत्नी को सविंदा पर नोकरी लगवाने का आश्वासन दिया। जबकि धरना दे रहे लोग सरकारी नोकरी देने की मांग कर रहे थे। लगभग 10 घन्टे के दौरान एक दर्जन बार वार्ता हुई। तब जाकर लगभग चार बजे दोनों पक्षों में सहमति बनी। बाद में प्रशासन ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल लेकर पहुची। बाद में पुलिस ने मेडिकल बोर्ड व अलवर से आई डॉक्टरों की टीम के द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के लिए रीढ़ की हड्डी : मंत्री जितेंद्र सिंह

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा/अलवर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सत्ता व संगठन के आपसी तालमेल से कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता मजबूती के साथ पार्टी की विचारधारा व नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक पार्टी को ओर अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता जो कि पार्टी की रीढ की हड्डी है जुटे हुए है। सिंह रविवार को फूल बाग में संगठन की समीक्षा बैठक में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रदेश की जनता के जनकल्याणकारी विजन को हमें आमजन तक पहुंचाना है ताकि समाज के अंतिम छोर पर बैठे जरूरतमंद व्यक्ति को भी समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष व कांग्रेस पदाधिकारियों को बैठक में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस सरकार फिर एक बार विजयश्री हासिल करेगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह के सान्निध्य में ईआईसी मेडिकल कॉलेज, सैनिक स्कूल, खेल स्टेडियम, मत्स्य यूनिवर्सिटी, एसडीएम कोर्ट जैसी अभूतपूर्व सौगाते मिली है। पिछले 70 सालों में जो विकास कार्य क्षेत्र में नहीं हुए वह कांग्रेस पार्टी ने

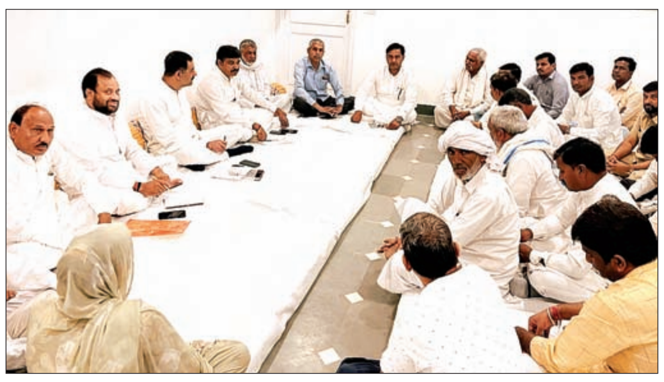

4 साल में कर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के महंगाई राहत शिविर में जनप्रतिनिधि आमजन को अधिक से अधिक लाभ दिलाए तथा इन शिविरों के माध्यम से कार्यकर्ता में नई उर्जा का संचार होगा।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद ने परशुराम जयंती पर दिया सामाजिक समरसता का परिचय

सितारा न्यूज नेटवर्क

रूपेश शर्मा । दिनांक 22 मार्च 2023 को परशुराम जयंती पर शोभा यात्रा में गायत्री मंदिर रोड पर ब्रजभूमि कल्याण परिषद के कार्यकताओं ने, शोभा यात्रा की आरती कर सामाजिक समरसता का परिचय दिया, परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) ने बताया के कार्यकताओं ने हाथ जोड़ विप्र समाज के प्रमुख लोगों का अभिनंदन किया, उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की, पुष्प वर्षा की, आरती की और विभिन्न झांकियों और महिला पुरुष की टोलियां पर पुष्प वर्षा की। इस मौके पर संत रैना गिरी महाराज, त्रिपोलिया के खेड़ापति पुजारी एवं अन्य संत समाज, एवं विप्र बंधुओं ने ने डॉ पंकज गुप्ता का अभिनंदन किया. इस मौके पर रेडी वीयर और अलवर गैलरिया गायत्री मंदिर रोड ने, शोभायात्रा में शामिल बंधुओं को शीतल , कोल्ड ड्रिंक का प्रसाद वितरण किया. इस स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक, डॉ पंकज गुप्ता (अग्रवाल) के साथ अलवर के जिला अध्यक्ष कैप्टन उमराव लाल सैनी, जिला मंत्री रामेश्वर यादव, नगर अध्यक्ष यशवंत कुमार गुप्ता, प्रांत सचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर मंत्री मनोज कुमार शर्मा, गीता परिवार के जिलाध्यक्ष अश्वनी जावली, थानागाजी से भाजपा नेता

महावीर उपाध्याय, रजनीश बांगा, हरी सिंह चौधरी, अनंत कुमार शर्मा, भारत शर्मा, राहुल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र उपाध्याय, इंद्रजीत शर्मा, मनीष शर्मा, रवि शेखावत, हेमंत सोनी, आशीष भारद्वाज, उत्कर्ष शर्मा, मरगंक भारद्वाज, आकाश मिश्रा, जगराम पहलवान, प्रह्लाद सैनी सहित दर्जनों की संख्या में ब्रजभूमि कल्याण परिषद एवं युवा ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मृतक के परिजनों की आर्थिक मदद कर मानवता की मिशाल की पेश

के.सी. घुमरिया ने मृतक रामप्रसाद मीणा के परिजनों को एक लाख की दी आर्थिक मदद

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष है के.सी. घुमरिया

सितारा न्यूज नेटवर्क

बस्सी (रामफूल मीणा)। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के.सी घूमरिया ने अपनी टीम के साथ मृतक रामप्रसाद मीणा के जन्म स्थान शंकरपुरा ,तहसील बस्सी ,जिला जयपुर पहुंचे और टीम के साथ दाह संस्कार में शामिल हुए इस दौरान के .सी घुमरिया ने मृतक राम प्रसाद के पिता रामकिशोर जी,माता गुलाब देवी,छोटे भाई महावीर और पत्नी सुमन देवी और पुत्र अभिषेक मीणा से बातचीत की और विस्तार से शुरू से अंत तक की घटना का पता लगाया।बातचीत में पता चला कि लंबे समय से रामप्रसाद मीणा और उनके परिवार को कुछ रसूखदार लोगों द्वारा जो कि एफ आई आर में नामित है निरंतर पीड़ित किया जा रहा था और बड़े लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इस गरीब आदिवासी परिवार को जलील किया जा रहा था।रामप्रसाद के पूरे परिवार ने सैकड़ों लोगों के सामने दुःखी होकर बताया कि उन्होंने बार-बार मंत्री महेश जोशी और अधिकारियों से मिलकर सहायता की गुहार लगाई लेकिन हर बार निराशा हाथ लगी और रामप्रसाद के पिता ने यहां तक बताया कि उनकी पत्नी जब महेश जोशी के पैर पकड़कर सहायता की गुहार लगा रही थी तो उनको निरादर करते हुए अपमानित किया गया और इस अनादर की घटना को लंबे समय से दुःखी रामप्रसाद सहन नहीं कर पाया और अंत में निराश और असहाय महसूस करते हुए आत्महत्या

का निर्णय लिया और।रामप्रसाद द्वारा छोड़ा गया सुसाइड नोट और वीडियो तथा परिजनों की जुबानी अपने आप बहुत कुछ बयां कर रही है। यद्यपि रामप्रसाद मीणा के मामले में अब तक 5 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और सरकार की तरफ से एक डेयरी बूथ तथा बेटे अभिषेक को संविदा पर नौकरी का ऑफर दिया गया है। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए तथा दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए इस प्रकरण की उच्च स्तरीय अन्वेषण टीम से या सीबीआई से जांच होना जरूरी है जिससे कि निष्पक्ष जांच हो और रसूखदार लोग यदि इसमें लिप्त पाए जाते हैं तो उनको भी कड़ी से कड़ी सजा मिले और रामप्रसाद के परिवार और राजस्थान की जनता का न्याय में विश्वास कायम रहे इस दौरान के .सी घुमरिया ने इस प्रकरण में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की और से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत , राहुल गांधी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एआईसीसी , उमेश मिश्रा डीजी पुलिस राजस्थान, चेयरमैन एसटी आयोग और चेयरमैन मानव अधिकार आयोग को दिनांक 20 अप्रैल 2023 को भेजे गए ईमेल और रजिस्टरीपत्रों और संवेदना संदेश की कॉपिया भी सौंपी और इस दौरान के .सी घुमरिया ने पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया और कहा कि मामले की जांच पर पूरी निगरानी रखेंगे और किसी भी अपराधी को बचने नहीं दिया जाएगा और उन्होंने अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की तरफ से स्वर्गीय राम प्रसाद मीणा की धर्मपत्नी सुमन देवी को ?100000 (एकलाख)की छोटी सी सहायता राशि भेंट की और पूरे परिवार को सांत्वना दी इस दौरान के .सी घुमरिया के साथ में सूरज प्रकाश झंडेवाला, रुडमल रिटायर्ड मुख्य प्रबंधक एसबीआई, अमर सिंह मुख्य प्रबंधक बैंक,हरिप्रसाद मुख्य प्रबंधक बैंक,रामस्वरूप एलआईसी प्रशासनिक अधिकारी, कैलाश गुरुजी बड़वा टीम के सदस्य मौजूद रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

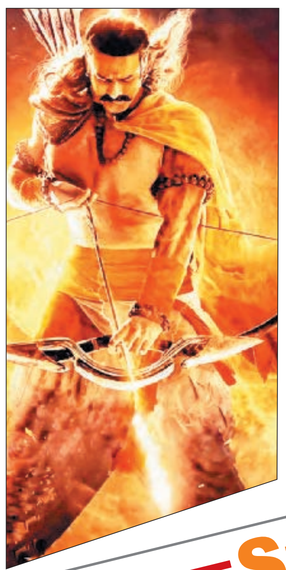

आदिपुरुष का नया लिरिकल मोशन पोस्टर देख फैंस उत्साहित

चेन्नई। 'बाहुबली' फेम साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अपकमिंग फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। एक-एक कर फिल्म से जुड़े नए अपडेट सामने आ रहे हैं। साथ ही सितारों का फिल्म से लुक भी धीरे-धीरे रिवील किया जा रहा है। इसी कड़ी में फिल्म से जुड़ा एक लिरिकल मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें श्रीराम की भक्ति का गुणगान दर्शकों के दिल में जोश भर रहा है। 'आदिपुरुष' में माता सीता का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का लिरिकल मोशन पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में प्रभु श्रीराम के नाम की जय-जयकार सुनने को मिल रही है।

लाइफ Style

अनुष्का

गर्मी का एक्सपिरियंस

घर वापसी और थार जैसी कई वेब सीरीज में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस अनुष्का कौशिक जल्द ही तिग्मांशु धूलिया की गर्मी में काम करने जा रही हैं। गर्मी वेब सीरीज को लेकर एक्ट्रेस ने हाल ही में बात की है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इन दिनों इस वेब सीरीज की शूटिंग भोपाल और वाराणसी में हो रही है, जिसके अनुभव को एक्ट्रेस ने साझा किया है। साथ ही उन्होंने दिवंगत एक्टर इरफान खान को लेकर भी बात की है। दरअसल, एक्ट्रेस ने इरफान खान के उसी होटल में ठहरने को लेकर बात की है, जिसमें वह हाल ही में पहुंची हुई थीं। अनुष्का ने कहा कि जब मुझे वेब सीरीज गर्मी के बारे में पता चला, तो मुझे नहीं मालूम था कि यह तिग्मांशु सर की फिल्म हासिल की तर्ज पर बनने जा रही है। मैं इसे हासिल 2.0 कहना चाहूंगी। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि जब मुझे यह पता चला कि मैं उसी होटल में ठहरी हूं, जहां पर दिवंगत महान एक्टर इरफान खान हासिल की शूटिंग के दौरान रुके थे। मैं वाकई में बहुत उत्साहित हो गई और बहुत ज्यादा खुश थी। मैंने खुद से कहा कि मैं लगभग हर बिस्तर पर सोऊंगी, क्योंकि इरफान सर यहां आए थे। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उनके साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का मेरा सपना अधूरा रह गया, यह तथ्य है कि हमने गर्मी की शूटिंग उन्हीं स्थानों पर की है, जहां पर इरफान सर ने हासिल की शूटिंग की थी। उसी कॉरिडोर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय आदि की तरह, यह काफी वास्तविक था।

हॉलीवुड मसाला

'द बूगीमैन' का आया नया पोस्टर

न्यूयार्क। ट्वेंटिएथ सेंचुरी स्टूडियोज और 21 लैप्स की हॉरर-थ्रिलर फिल्म द बूगीमैन का नया ट्रेलर और पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर काफी डरावना और रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह फिल्म 2 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म स्टीफन किंग की लघु कहानी पर आधारित है, जो 1973 में प्रकाशित हुई थी। फिल्म द बूगीमैन में में सोफी थैचर, क्रिस मेसिना, विवियन लायरा ब्लेयर, मारिन आयरलैंड, मैडिसन हू, लिसागे हैमिल्टन और डेविड डेस्टमलचियन हैं।

'गार्डियंस ऑफ द...' 5 मई को दस्तक देगी सिनेमाघरों में...

लॉस एंजेलिस। जेम्स गुन की आखिरी फिल्म 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' पांच मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। मार्वल स्टूडियो फिल्म की रिलीज के लिए काफी ज्यादा उत्साहित है। इसी को लेकर बीते दिन डिज्नीलैंड पेरिस के मार्वल एवेंजर्स कैंपस में यूरोपीय गाला इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें क्रिस प्रैट, जो सलदाना, करेन गिलान, पोम क्लेमेंटिएफ और विन डीजल जैसे सितारे शिरकत कर चार चांद लगाते नजर आए। 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3' के लेखक और निर्देशक जेम्स गुन और कलाकारों के सदस्य क्रिस प्रैट, जो सलदाना, करेन गिलान, पोम क्लेमेंटिएफ और विन डीजल ने मार्वल एवेंजर्स कैंपस में यूरोपियन गाला इवेंट के लिए डिज्नीलैंड पेरिस की एक अंतरिक्ष सड़क यात्रा की। वहीं, इसकी तस्वीरें सामने आ चुकी हैं, जिन्हें फैंस बेशुमार प्यार दे रहे हैं।

बरसीं ट्रोल्स पर, क्रिप्टिक नोट से मचा तहलका

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल पर्दे पर बेबाक रोल निभाने के साथ-साथ निजी जिंदगी में भी अपनी स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस समय-समय पर ट्रोल्स को अपने बयान से सबक सिखाती नजर आती हैं। इसी कड़ी में काजोल ने क्रिप्टिक नोट साझा कर सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। डीवा ने नोट लिखकर दोनों जेंडर के 'कायर' लोगों को आड़े हाथों लिया है। काजोल भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी बॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक हैं, जिन्होंने हाल ही में फिल्म जगत में अपने 31 साल पूरे किए हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने शनिवार देर रात एक पोस्ट कर तहलका मचा दिया। एक्ट्रेस ने एक क्रिप्टिक नोट साझा किया, जिसमें लिखा है, 'दोनों लिंगों के कायरों का अपना सेट है और एक *##*** लेस है।

नेटिजंस पर जमकर फूटा सुनील का गुस्सा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी अपनी रील और रियल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। एक्टर खुद को और अपने परिवार को काफी पर्सनल रखना पसंद करते हैं। सुनील अपने परिवार या निजी जिंदगी की बाते सोशल मीडिया पर नहीं करना चाहते हैं। अभिनेता सोशल मीडिया को बस अपने प्रोफेशनल वर्क के लिए इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। बॉलीवुड फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का प्रदर्शन कर चुके अभिनेता ने हाल ही में एक टॉक शो के दौरान कई खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जमाने में प्राइवेसी नहीं रह गई है। आपके एक वाक्य को 15 अलग-अलग तरीको से दिखाया जाता है। उसे कई अलग-अलग तरीको से पेश किया जाता है। एक्टर ने आगे कहा कि सोशल मीडिया ने हमारे जीवन को नष्ट कर दिया है।

टीवी मसाला

'खतरों के खिलाड़ी' के इस कंटेस्टेंट पर मेहरबान हुए सल्लू

मुंबई। रोहित शेट्टी के स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' और 'बिग बॉस 15' का हिस्सा रह चुके प्रतीक सहजपाल को सुपरस्टार सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म में ब्रेक देने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक,

प्रतीक 'दबंग खान' की अगली फिल्म का हिस्सा बनने वाले हैं। सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को लेकर लगातार लाइमलाइट बटोर रहे हैं। उनकी यह फिल्म आज यानी 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। 'दबंग खान' इंडस्ट्री में नए चेहरों को ब्रेक देने के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसे कई बड़े कलाकार हैं, जिन्हें उन्होंने फिल्मों में काम करने का मौका दिया है। 'भाईजान' की इस दरियादिली का हालिया उदाहरण है उनकी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान'। इस फिल्म से 'बिग बॉस 13' फेम शहनाज गिल और पलक तिवारी बॉलीवुड में एंट्री कर रही हैं। इसके अलावा 'बिग बॉस' से सुर्खियां बटोरने वाली प्रियंका चहर चौधरी को भी सलमान ने कहा था कि घर से बाहर निकलने के बाद वो उनसे मिले। वहीं, अब खबर आ रही है कि 'भाईजान' टीवी के पॉपुलर शो 'खतरों के खिलाड़ी' के एक कंटेस्टेंट पर मेहरबान हुए हैं। जी हां, सलमान इस खिलाड़ी को अपनी आने वाली फिल्म में ब्रेक देने वाले हैं।

रफ्तार ने 'द कपिल शर्मा' के शो को बताया 'शोशेबाजी', डिलीट किया वीडियो

मुंबई। कपिल शर्मा टीवी के जाने माने कॉमेडियन हैं। वह अपने शो 'द कपिल शर्मा' को लेकर अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। इस शो में बॉलीवुड के बड़े बड़े कलाकार शिरकत कर चुके हैं। शो के दौरान अक्सर ही कलाकार काफी मस्ती करते हुए नजर आते हैं। कपिल शर्मा शो के अभी तक चारों सीजन को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वहीं, अब रैपर रफतार ने कॉमेडियन पर तंज कसा है। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। अपने रैप से लोगों के दिलों पर

राज करने वाले रफतार ने लाइव स्ट्रीम के दौरान कपिल के शो की पोल खोली है। इस लाइव स्ट्रीम में रफ्तार ने बताया कि कपिल का शो सिर्फ 'शोशेबाजी' करता है और यहां केवल वही लोग आते हैं जो मशहूर हैं, जिससे उनकी रेपुटेशन और बढ़ सके। कॉमेडी तो सिर्फ नाम की होती है। वहां केवल राजनीति देखने को मिलती है। हाल ही में रैपर ने एक इंटरव्यू में शो को लेकर खुलासा करते हुए कहा, 'बेसिकली क्या होता है, देख हमने काम कर लिया, वहां जाकर अब ये दिखाना होता है कि हम बड़े हैं। यह शोशेसबाजी है। जनता के सामने इज्जत बन जाती है, हम बड़े लगते हैं।

'दबंग-3' तक पहुंचते नहीं दिख रहे भाईजान...

मुंबई। ईद के दिन अभिनेता सलमान खान के चाहने वालों का सैलाब सिनेमाघरों पर उमड़ा और उनकी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' ने पहले दिन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद शनिवार को राहत की सांस ली। फिल्म का प्रदर्शन सलमान की पिछली फिल्म 'भारत' के दूसरे दिन के कलेक्शन को तो पार नहीं कर पाया लेकिन शनिवार को हुई कमाई ने फिल्म के पहले वीकेंड में 60 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाने की उम्मीद जरूर जगा दी है। पहले सप्ताहांत पर 50 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने वाली सलमान खान की अब तक सिर्फ 13 फिल्में बनी हैं। इस लिस्ट में 13वें नंबर पर फिल्म 'जय हो' है, जिसने साल 2014 में रिलीज के पहले वीकएंड पर 60.68 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को ईद पर फिल्म देखने निकले अपने प्रशंसकों का शनिवार को तगड़ा लाभ मिला। सुबह यह फिल्म 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करती भी नहीं दिख रही थी, लेकिन शाम और देर रात के शोज में उमड़ी पारिवारिक भीड़ ने इसका कलेक्शन शनिवार को 25 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

अवॉर्ड शो को बिल्कुल भी तवज्जो नहीं देते बॉलीवुड सितारे

मुंबई। भारतीय अवॉर्ड शो में चमक-धमक की बेहतरीन व्यवस्था होती है। इसमें सितारे शिरकत कर अपने आउटफिट और अंदाज से कई दिनों तक सुर्खियां बटोरते नजर आते हैं। वहीं, समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले इन अवॉर्ड इवेंट्स में कई सितारे अपने बेहतरीन काम के लिए सम्मानित किए जाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें हेडलाइंस का हिस्सा बनते देखा जाता है। हालांकि, कई दफा इन अवॉर्ड शो पर सवालिया निशान भी खड़ा किया जा चुका है, और ये निशान खड़े करने वाले कोई और नहीं बल्कि इंडस्ट्री के ही कुछ जाने-माने स्टार्स हैं।

जॉन अब्राहम : बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम को हाल ही में फिल्म 'पठान' में निभाए गए अपने नेगेटिव किरदार से लोगों का दिल जीतते देखा गया है। वहीं, जॉन अब्राहम को अवॉर्ड शो में कम ही देखा जाता है। इसे लेकर एक दफा जॉन ने साफ किया था कि उनकी नजरों में भारतीय अवॉर्ड शो की कोई वैल्यू बाकी नहीं रह गई है। वह सिर्फ नेशनल अवॉर्ड में भरोसा रखते हैं। जॉन ने कहा था, 'बिल्कुल भी सम्मान नहीं करता। मैं उनकी इज्जत नहीं करता और यह बात वे जानते हैं, इसलिए मुझे नॉमिनेट भी नहीं करते।'

अजय देवगन : बॉलीवुड के 'सिंघम' अजय देवगन ने इंडस्ट्री को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। हालांकि, एक्टर की हालिया रिलीज मूवी 'भोला'

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई है। वहीं, अजय इंडस्ट्री के मंझे हुए खिलाड़ी होने के बावजूद भी अवॉर्ड शो से दूरी ही बनाए रखते हैं। अजय ने एक दफा कहा था कि अवॉर्ड शोज को ज्यादा स्टार्स की जरूरत होती है, इसलिए वो आपको फोन करते हैं कि अगर आप शामिल होते हैं तो अवॉर्ड मिलेगा। अगर आप आखिरी समय में नहीं आ पाए तो बस विनर के नाम की चिट बदल जाती है और दूसरे एक्टर को ट्रॉफी मिल जाती है। मेरा भरोसा उठ गया है ऐसे अवॉर्ड फंक्शन से।'

इमरान हाशमी : इमरान हाशमी ने अवॉर्ड इवेंट को लेकर कहा था, 'ये एक एंटरटेनमेंट प्रोग्राम की तरह हैं। ये ऐसा है जैसे हम त्योहारों को पसंद करते हैं, हमें भव्यता और टीवी रेटिंग पसंद है। आपको एक साथ कई स्टार्स देखने को मिलते हैं। लोग वहां नाचते हैं फिर उन्हें अवॉर्ड मिलते हैं। मेरिट के आधार पर अवॉर्ड नहीं मिलता, ये खुद को धोखा देने जैसा है।'

आमिर खान : अवॉर्ड शो को आमिर खान बिल्कुल भी तवज्जो नहीं देते हैं। एक दफा एक्टर ने इसे लेकर कहा था, 'मैं पुरस्कार समारोह में नहीं जाता। मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड दर्शकों की प्रतिक्रिया और प्यार है। मैं पुरस्कारों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता।'

सलमान खान : सलमान खान ने साफ किया था कि वह भारतीय अवॉर्ड शो को सीरियसली नहीं लेते हैं। एक्टर को अपनी फिल्मों के लिए सिर्फ जनता के रिएक्शन से फर्क पड़ता है और उनका ही प्यार मायने रखता है। दबंग खान ने तो यह तक कह दिया था, 'घर पर मैंने बहुत सारे अवॉर्ड्स देखे हैं और मेरे पिता के पास कोई काम नहीं था। वो कभी दरवाजा खराब हो जाता था, तो अवॉर्ड को स्टॉपर के लिए यूज करते थे।

आज जयंती

अभिनेता मैक मोहन को 'शोले' से मिला नाम, लंबी पारी खेली फिल्मों में

'पूरे पचास हज़ार' वाला अभिनेता, क्रिकेटर बनने की चाह छोड़ मुड़ गया फिल्मों की ओर...

गुजरे जमाने के अभिनेता मैक मोहन को फिल्मी परदे पर फिल्म 'शोले' में 'पूरे पांच हजार' डॉयलॉग की वजह से पहचान मिली। लेकिन उनका करियर या उनकी पहचान इन तीन शब्दों से कहीं अधिक है। 46 वर्षों में 200 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले मैक मोहन ने बॉलीवुड में एक लंबी पारी खेली।

मुंबई। मैक मोहन का जन्म 24 अप्रैल 1938 को अविभाजित भारत के कराची में एक ब्रिटिश भारतीय सेना अधिकारी के यहां हुआ था। परिवार के लखनऊ में स्थानांतरित होने के बाद, मैक मोहन का सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना था। वह तब मुंबई चले गए जब वे अभी भी एक छात्र थे, और देश के लिए खेलने के अपने सपनों को आगे बढ़ाने का इरादा रखते थे। उनकी बेटियाँ, मंजरी और विनती मकजनी, जो अब फिल्म उद्योग में काम करती हैं, ने एक साक्षात्कार में याद किया कि कैसे क्रिकेट उनके जीवन का हिस्सा था। लेकिन फिर उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

जब मैक मोहन जय हिंद कॉलेज में पढ़ रहे थे, तब उन्होंने एक पाठ्येतर के रूप में रंगमंच को अपनाया। अभिनेता शौकत कैफ़ी के साथ एक नाटक करते समय, उन्हें नाटक को आगे बढ़ाने और इंडियन पीपल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अभिनय के लिए उनके प्यार ने उन्हें कला का अध्ययन करने के लिए खींचा और उन्होंने 1964 में निर्देशक चेतन आनंद की उनकी फिल्म 'हकीकत' में सहायता की, जो उनकी पहली

फिल्म भी थी। मैक मोहन ने ज्यादातर माध्यमिक और नकारात्मक भूमिकाएँ निभाईं -कुछ कॉमेडी को छोड़कर - और हर बार स्क्रीन पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे। हालाँकि, मैक मोहन ने जो सबसे प्रतिष्ठित भूमिका निभाई, वह 'शोले' में एक डकैत, सांभा की थी। उनके पास देने के लिए सिर्फ तीन शब्द थे लेकिन उन्होंने उन्हें अपना बना लिया। फिल्म की रिलीज के बाद, निर्माताओं और अभिनेताओं ने सांभा की लोकप्रियता पर आश्चर्य किया। बाद में, फिल्म के निर्देशक, रमेश सिप्पी ने टिप्पणी की कि कोई और रेखा या रूप को नहीं खींच सकता था। जावेद अख्तर, जो सलीम-जावेद की जोड़ी का हिस्सा थे, जिन्होंने फिल्म लिखी थी, ने सहमति व्यक्त की 'जिस तरह से वह गब्बर की मांद को देखते हुए पहाड़ी पर बैठे थे, वह देखने लायक था।'

मैक मोहन ने डॉन (1978), कर्ज (1980) और सत्ते पे सत्ता (1982) जैसी फिल्मों में कई नकारात्मक भूमिकाएं कीं । वह बुरे आदमी के गुर्गे का पर्याय बन गए। वह दुर्लभ अभिनेता भी थे जिनका असली नाम उनकी अधिकांश फिल्मों में उनके चरित्र के नाम के रूप में इस्तेमाल किया गया था। अभिनेता, जो रवीना टंडन के चाचा भी हैं, न केवल अपनी संवाद अदायगी के लिए बल्कि अपने व्यावसायिकता के लिए भी उद्योग में लोकप्रिय थे।

खुद की निभाई थी भूमिका

जब 10 मई 2010 को उनकी मृत्यु हुई, अभिनेता और अक्सर सह-कलाकार रहे अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा : मैंने उनके साथ कई फिल्मों में काम किया, ऐसी फिल्में जिन्हें मेरे प्रदर्शनों की सूची में सबसे यादगार फिल्मों में से एक के रूप में पहचाना जा सकता है। उन्होंने जो कुछ भूमिकाएँ कीं, वे स्वभाव से दुष्ट थीं, जो उनके अपने व्यक्तिगत आचरण के बिल्कुल विपरीत थीं। उसकी हँसी भरी हुई और मुक्त थी; मुक्त भावना का प्रतीक जिसे उन्होंने हमेशा चित्रित किया। चार दशक लंबे करियर के बाद, उनकी आखिरी फिल्मों में से एक जोया अख्तर की लक बाय चांस (2009) में आई थी। यह एक संक्षिप्त रूप था जहां उन्होंने खुद की भूमिका निभाई थी।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
चेन्नई	7	5	2	10
राजस्थान	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
गुजरात	6	4	2	8
बेंगलोर	7	4	3	8
पंजाब	7	4	3	8
मुंबई	6	3	3	6
कोलकाता	7	2	5	4
हैदराबाद	6	2	4	4
दिल्ली	6	1	5	2

ऑरेंज कैप
डु प्लेसिस
405 रन

पर्पल कैप
मो. सिराज
13 विकेट

खबर संक्षेप

पांच ओवर में 96 रन देने की वजह से हारे

मुंबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के लिए अपने गेंदबाजों को दोषी ठहराया जिन्होंने पांच ओवर में 96 रन देकर पंजाब को आठ विकेट पर 214 रन बनाने दिए। जवाब में मुंबई की टीम 13 रन पीछे रह गई। बाउचर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मुकाबला बराबरी का था। सूर्यकुमार का विकेट बड़ा था और गेंद जरा ऊंची जाती तो यह छक्का होता । उसने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पंजाब को बड़ा स्कोर बनाने दिया जो निराशाजनक है। हमने गेंदबाजी की वजह से मैच गंवाया।'

रनअप में बदलाव से मिली सफलता

मुंबई। पंजाब के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अपनी सफलता का श्रेय दबाव के क्षणों में शांत रहने और अपने रनअप में

बदलाव को दिया जिसकी वजह से नोबॉल पर नियंत्रण कर सके। अर्शदीप ने कहा, 'विकेट लेकर अच्छा लगता है। जीतकर बेहतर महसूस हो रहा है। आईपीएल से पहले मैने अपना रनअप बदला जिससे नोबॉल पर नियंत्रण रहा। लय अच्छी है और मुझे खेलने में मजा आ रहा है।' अर्शदीप अब तक सात मैचों में 13 विकेट ले चुके हैं।

लाहिड़ी एडिलेड लिव स्पर्धा में रहे उपविजेता

एडिलेड। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी वियतनाम में दूसरे स्थान पर रहने के एक सप्ताह बाद यहां 'लिव सीरीज' स्पर्धा के तीसरे और अंतिम दौर शानदार प्रदर्शन के बाद रविवार को दूसरे

स्थान पर रहे। उनका कुल स्कोर 16 अंडर का रहा। शुरुआती दो दौर में 10 अंडर 62 का एक समान स्कोर बनाने वाले टेलर गूच तीसरे दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेलने के बावजूद इसके विजेता बने। उन्होंने तीन शॉट के अंतर से जीत दर्ज की।

अर्शदीप ने तोड़ा स्टंप्स 60 लाख का नुकसान

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के 31वें मुकाबले में शनिवार शनिवार को मुंबई इंडियन के खिलाफ पंजाब किंग्स ने बड़ी जीत हासिल की है। इस मुकाबले के सबसे बड़ हीरो अर्शदीप सिंह रहे। इस मैच में

अर्शदीप ने घातक गेंदबाजी किए और 4 विकेट अपने नाम किए। तेज गेंदबाज ने मैच के आखिरी ओवर में दो बार स्टंप्स तोड़ दिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एक स्टंप्स सेट की कीमत 25 से 30 लाख रुपए के बीच होती है। एक सेट के स्टंप्स में तीन गिल्लियां आती है। इसके अलावा जिंग्स बेल्स जो स्टंप्स के ऊपर रखी जाती है उसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपए बताई जा रही है। इससे आईपीएल को करीब 60 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

50वां जन्मदिन आज : 10 बड़े रिकॉर्ड से सचिन बने 'क्रिकेट के भगवान'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के महान बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर सोमवार को अपना 50वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत करने वाले सचिन ने देश में क्रिकेट को नए मुकाम पर पहुंचाने में काफी मदद की।

सचिन तेंदुलकर ने 24 साल के कॅरियर में कई बड़े रिकॉर्ड बनाए जिन्हें तोड़ना आज भी मुश्किल है। तेंदुलकर जब भी मैदान पर आते थे तो अपनी बल्लेबाजी से रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा देते थे। उनकी इसी कला के चलते उन्हें भारतीय फैंस द्वारा 'क्रिकेट का भगवान' भी कहा जाता है। हम ऐसे 10 बड़े रिकॉर्ड की बता करने वाले हैं जो कि हर खिलाड़ी के लिए तोड़ना मुश्किल है।

सबसे ज्यादा शतक

सचिन तेंदुलकर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनो फॉर्मेट मिलाकर कुल 100 शतक जड़े हैं। ये एक बड़ा रिकॉर्ड है जिसे तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल है। उन्होंनें टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक जड़े हैं।

सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय रन

तेंदुलकर ने वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 30 हजार से अधिक रन बनाए हैं। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में इतने रन बनाने वाले वह दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनके कुल रन 34357 हैं।

खेले सबसे ज्यादा मैच

सचिन 200 इंटरनेशनल टेस्ट मैच खेलने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। सूची में सचिन पहले नंबर पर हैं तो स्टीव वॉ 168 टेस्ट मैच के साथ दूसरे नंबर है। सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, बल्कि उनके नाम दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल वनडे मैच खेलने का रिकॉर्ड भी है, सचिन ने 463 वनडे मैच खेले हैं। उनके बाद सनथ जयसूर्या का नंबर आता है, जिन्होंने 445 वनडे मैच खेले हैं।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन

सचिन विश्व कप में 2000 से अधिक रन बनाने वाले इतिहास के एकमात्र क्रिकेटर हैं। उन्होंने 6 विश्व कप में 2278 रन बनाए। इसके अलावा, तेंदुलकर के पास 2003 की प्रतियोगिता में 673 रन के साथ एक विश्व कप में सर्वोच्च स्कोरर होने का रिकॉर्ड है।

वनडे में मैन ऑफ द मैच

सचिन के पास वनडे में सबसे ज्यादा बार मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड पाने का रिकॉर्ड है। उन्हें 62 बार ये अवॉर्ड मिला है। उनके बाद इस लिस्ट में रिकी पोंटिंग का नाम है जिनके पास 47 अवॉर्ड ही हैं।

24 साल का कॅरियर

सचिन तेंदुलकर ने 16 साल की उम्र में ही क्रिकेट में अपना डेब्यू कर लिया था। जिसके बाद वे लगातार खेलते रहे। उन्होंने 24 साल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला। जो कि एक बड़ा रिकॉर्ड है। इसे तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल है।

सबसे ज्यादा चौके

यह बहुत कम संभावना है कि कोई भी खिलाड़ी टेस्ट और वनडे प्रारूपों में सचिन तेंदुलकर के चौकों की संख्या को पार कर पाएगा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में लगभग 2,058+ चौके और एकदिवसीय प्रारूप में 2,016 चौके मारे हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में 4076 बाउंड्री मारी।

वनडे में पहला दोहरा शतक

वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाए थे। अपनी इस पारी में उन्होंने 25 चौके और तीन छक्के लगाए थे। उनके बाद कई खिलाड़ियों ने ये उपलब्धि हासिल की है।

सबसे ज्यादा अर्धशतक

तेंदुलकर शतकों के अलावा अर्धशतक भी खूब जड़ते थे। उनकी कोशिश रहती थी कि वे इसे शतक में बदल दें। सचिन ने अपने करियर में 164 अर्धशतक जड़े हैं। जो कि एक बड़ा रिकॉर्ड है।

आखिरी ओवर में बचाए रन

सचिन तेंदुलकर ने बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी अपना जलवा बिखेरा है और कई बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 2 बार आखिरी ओवर में 6 से कम रन बचाए हैं। सचिन तेंदुलकर ने यह कारनामा 1993 में हीरो कप के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तथा उसके बाद 1996 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था।

आईपीएल : मैक्सवेल और डु प्लेसी ने 66 गेंद पर जोड़े 127 रन

बेंगलोर की 7 मैचों में चौथी जीत राजस्थान को सात रन से हराया

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को सात रन से शिकस्त दी। ग्लेन मैक्सवेल ने आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए 77 रन और फाफ डु प्लेसी ने 62 रन की पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 66 गेंद पर 127 रन की साझेदारी की जिससे आरसीबी ने नौ विकेट पर 189 रन बनाए। टीम ने इसके बाद राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट पर विकेट पर 182 रन पर रोक दिया। यह बेंगलुरु की राजस्थान पर ओवरऑल 14वीं जीत है। दोनों के बीच अब तक 29 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 12 राजस्थान ने जीते हैं।

बेंगलुरु की यह सात मैचों में चौथी जीत है तो वही राजस्थान की इतने ही मैचों में यह तीसरी हार है। आरसीबी के लिए हर्षल पटेल के तीन विकेट के अलावा डेविड विली और मोहम्मद सिराज को एक-एक सफलता मिली। विली ने चार ओवर में 26 जबकि सिराज ने 39 रन दिए। राजस्थान के लिए देवदत्त पडिक्कल ने 34 गेंद में 52 रन की पारी खेलने के साथ यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया था लेकिन दोनों की साझेदारी टूटने के बाद टीम ने लय गंवा दी।

डु प्लेसिस का 30वां अर्धशतक

फाफ डु प्लेसिस 62 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें यशस्वी जायसवाल ने रनआउट किया। उन्होंने 39 बॉल में 158.97 के स्ट्राइक रेट से 62 रन बनाए। डुप्लेसिस की पारी में 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उन्होंने कुल 30वां अर्धशतक बनाया। यह मौजूदा सीजन में फाफ का 5वां अर्धशतक है। मैक्सवेल ने कॅरियर का 16वां अर्धशतक जमाया।

स्कोर बोर्ड

आरसीबी	रन	गेंद	4	6
कोहली पगबाधा बोल्ट	00	01	0	0
डु प्लेसी रन आउट (जायसवाल)	62	39	8	2
शाहबाज का जायसवाल बो बोल्ट	02	04	0	0
मैक्सवेल का होल्डर बो अश्विन	77	44	6	4
लोमरोर का पडिक्कल बो चहल	08	06	1	0
कार्तिक का बटलर बो संदीप	16	13	2	0
सुयस रन आउट	00	02	0	0
वानिंदु हसरंगा रन आउट	06	07	0	0
डेविड विली नाबाद	04	02	0	0
वैशाख का हेटमायर बो संदीप	00	01	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल : 20 ओवर में 189/9
गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-41-2, संदीप 4-0-49-2, अश्विन4-0-36-1, चहल 4-0-28-1, होल्डर 4-0-32-0

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का कोहली बो हर्षल	47	37	5	2
जोस बटलर बो सिराज	00	02	0	0
पडिक्कल का कोहली बो विली	52	34	7	1
सैमसन का शाहबाज बो हर्षल	22	15	2	1
हेटमायर रन आउट (प्रभुदेसाई)	03	09	0	0
ध्रुव जुरेल नाबाद	34	16	2	2
अश्विन का प्रभुदेसाई बो हर्षल	12	06	2	0
अब्दुल बासित नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 11, कुल : 20 ओवर में 182/6
गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, विली 4-0-26-1, वैशाख 2-0-24-0, मैक्सवेल 2-0-25-0, हर्षल 4-0-32-3, हसरंगा 4-0-32-0

नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर सुपरकिंग्स शीर्ष पर

- चेन्नई ने जीत की हैट्रिक लगाई
- टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर टेबल टॉपर बने

भाषा ▶▶| कोलकाता

अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे के अर्धशतक और दोनों के बीच तेजतर्रार अर्धशतकीय साझेदारी से चेन्नई सुपरकिंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर अंक तालिक में शीर्ष पर पहुंच गया। रहाणे (29 गेंद में नाबाद 71, पांच छक्के, छह चौके) और दुबे (21 गेंद में 50 रन, दो चौके, पांच छक्के) के बीच तीसरे विकेट की सिर्फ 32 गेंद में 85 रन की साझेदारी से सुपरकिंग्स ने चार विकेट पर 235 रन बनाए जो ईडन गार्डन्स पर टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर है। इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (56) ने भी अर्धशतक जड़ा।

सुपरकिंग्स ने अंतिम आठ ओवर में 126 रन जुटाए। इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम जेसन रॉय (26 गेंद में 61 रन, पांच छक्के, पांच चौके) और रिंकू सिंह (33 गेंद में नाबाद 53, तीन चौके, चार छक्के) के अर्धशतकों के बावजूद आठ विकेट पर 188 रन ही बना सकी। सुपरकिंग्स की ओर से ऑफ स्पिनर महेश तीक्षणा ने 32 जबकि तुषार देशपांडे ने 43 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। इस

जीत से सुपरकिंग्स के सात मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। नाइट राइडर्स की टीम चार अंक के साथ आठवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में एक रन के स्कोर तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों सुनील नारायण (00) और नारायण जगदीशन (01) के विकेट गंवा दिए। नारायण को आकाश सिंह ने बोल्ड किया जबकि जगदीशन ने तुषार देशपांडे की गेंद पर रविंद्र जडेजा को कैच थमाया। कप्तान नितीश राणा (27) और वेंकटेश अय्यर (20) ने पावर प्ले में टीम का स्कोर दो विकेट पर 38 रन तक पहुंचाया।

कुश्ती, तीरंदाजी और कबड्डी को शामिल करे सीडब्लूजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ब्रिसबेन

भारतीय ओलंपिक संघ ने रविवार को राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की एशिया और ओसियाना क्षेत्रीय बैठक में तीरंदाजी, कुश्ती और कबड्डी को राष्ट्रमंडल खेलों की सूची में नियमित खेलों के रूप में शामिल करने के लिए मजबूती से अपनी बात रखी।

- भारतीय ओलंपिक संघ ने बैठक में बनाया दबाव

कबड्डी कभी सीडब्लूजी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं रहा है जबकि निशानेबाजी और तीरंदाजी दो ऐसे खेल है जिसे बर्मिंघम में पिछले खेलों में शामिल नहीं किया गया था। इन दोनों खेलों में भारतीय एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सीजीएफ अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन और उनकी टीम से सीजीएफ द्वारा प्रस्तावित की जा रही रणनीतिक योजना के संबंध में भारतीय खेलों के विकास पर चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल में आईओए के कार्यवाहक सीईओ और संयुक्त सचिव कल्याण चौबे और कार्यकारी परिषद के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह भी शामिल थे। उषा ने कहा, 'मैं 2026 के विक्टोरिया राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी की वापसी पर उठाए गए कदमों का स्वागत करती हूं। इसके साथ ही हमने तीरंदाजी, कुश्ती और कबड्डी को भविष्य में इन खेलों की सूची में शामिल करने के लिए सीजीएफ नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग की है।'

निशानेबाजी की 2026 में हुई वापसी

सीजीएफ और राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया ने पहले विक्टोरिया 2026 खेलों के लिए पूर्ण खेल कार्यक्रम का अनावरण किया था, जिसमें 20 खेल और 26 स्पर्धाएं शामिल है। इसमें नौ पैरा खेल भी शामिल है। निशानेबाजी को 2022 बर्मिंघम खेलों से विवादास्पद रूप से हटाए जाने के बाद 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में इसकी वापसी हुई है। निशानेबाजी में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक 135 पदक (63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य) जीते है जो किसी अन्य खेल से ज्यादा है। इस सूची में कुश्ती 114 (49 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य) पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इसमें भारत ने बर्मिंघम खेलों में सबसे अधिक 12 पदक कुश्ती में जीते। 2010 के बाद से लगातार चार खेलों में शामिल होने के बाद इस खेल को 2026 सत्र से हटा दिया गया है। दूसरी ओर तीरंदाजी को राष्ट्रमंडल खेलों में केवल दो बार (1982 और 2010) शामिल किया गया है।

किप्टम ने जीता लंदन मैराथन

लंदन। केल्विन किप्टम रविवार को लंदन मैराथन के पुरुष वर्ग का खिताब इतिहास के दूसरे सबसे कम समय में जीतने के बाद जमीन पर गिर पड़े। कीनिया के इस 23 वर्षीय धावक ने दो घंटे एक मिनट और 25 सेकेंड के समय के साथ कोर्स रिकॉर्ड अपने नाम किया लेकिन इलियुड किपचोगे के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने से 16 सेकंड से चूक गए। महिलाओं वर्ग में प्रतिस्पर्धा के दौरान चोटिल हुई सिफान हसन ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। लंबी दूरी के महान धावक मो फराह की अंतिम मैराथन में गत चैंपियन अमोस किप्रुटो और विश्व चैंपियन तामिरत टोला भी शीर्ष तीन में शामिल रहे। चालीस साल के फराह ने दो घंटे 10 मिनट और 28 सेकेंड के समय के साथ नौवां स्थान हासिल किया।

भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को रजत

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को तीरंदाजी विश्व कप पहले चरण में शूट आफ में चीन से मिली पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम की नजरें 2010 के बाद विश्व कप में पहले स्वर्ण पदक पर थी। तरुणदीप राय, अतनु दास और धीरज बोम्मादेवरा की भारतीय टीम ने 0-4 से पिछड़ने के बाद बराबरी की और मुकाबले को शूटआफ में खींचा। तीनों हालांकि 4-5 (54-55, 50-56, 59-58, 56.55, 28-28) से हार गए। चीन की टीम ने स्वर्ण पदक जीता जिसमें लि झोंगियुआन, कि शयांगशुओ और वेइ शाहोक्सू शामिल

थे। भारत के दो स्वर्ण और एक रजत पदक हो गए हैं। धीरज व्यक्तिगत वर्ग में भी पदक की दौड़ में हैं।भारतीय टीम का दूसरे सेट में प्रदर्शन खराब रहा जिसमें 60 में से 50 अंक ही बना सकी जबकि चीन ने छह अंक लिए। भारत की शुरुआत धीमी रही और चीन ने एक अंक से पहला सेट जीता। तीसरे सेट में भारत ने वापसी करके पांच बार दस का स्कोर किया। भारत ने चौथा सेट भी एक अंक से जीता।

धीरज को व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य

धीरज ने विश्व कप में पदार्पण करते हुए दूसरा पदक जीता जब सेना के 20 साल के इस निशानेबाज ने व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में कजाखस्तान के इलफत अब्दुलिन को 7-3 (28-28, 29-26, 28-29, 29-27, 29-27) कांस्य पदक अपने नाम किया। धीरज को हालांकि मलाल रहेगा कि वह रजत पदक नहीं जीत पाए क्योंकि मालदोवा के डेन ओलारू के खिलाफ 4-0 की बढ़त बनाने के बावजूद उन्हें सेमीफाइनल में 4-6 से हार झेलनी पड़ी। भारत ने इस तरह अपने अभियान का अंत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ किया।

पृथ्वी ने पिछले छह मैचों में बनाए 12, 7, 0, 15, 0, 13 रन

दिल्ली और हैदराबाद की टीम बल्लेबाजों से निराश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हैदराबाद

लगातार पांच हार का सिलसिला पिछले मैच में तोड़ने के बाद दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने का होगा। दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे हर विभाग में निराशा हाथ लगी है।

- मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर आज शाम 7.30 बजे

इसी वजह से उसे पहले पांच मैचों में पराजय झेलनी पड़ी। डेविड वॉर्नर और उनकी टीम ने आखिरकार गुरुवार को दिल्ली में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार विकेट से हराकर पहले अंक हासिल किए। उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके केकेआर को 127 रन पर रोका हालांकि बल्लेबाजों में वॉर्नर और अक्षर पटेल को छोड़कर कोई नहीं चल सका। पृथ्वी और मिशेल मार्श का खराब फॉर्म टीम की समस्या बना हुआ है। शॉ ने पिछले छह मैचों में 12, 7, 0, 15, 0, 13 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के हरफनमौला मार्श चार मैचों में दो बार खाता भी नहीं खोल सके। वहीं गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसकी वजह से रोवमैन पॉवेल या रिली रोसोयू को उतारा जा सकता है।

युवा बल्लेबाजों के नाकाम रहने की वजह से मनीष पांडे पर जिम्मेदारी बढ़ गई है। अनुभवी ईशांत शर्मा ने सत्र में पहला मैच खेलते हुए शानदार स्पैल डाला और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

नौवें स्थान पर सनराइजर्स

सनराइजर्स हैदराबाद लगातार हार के बाद अब जीत की राह पर लौटना चाहेगी। वह फिलहाल छह मैचों में चार अंक लेकर नौवें स्थान पर है। टीम कागजों पर मजबूत दिखती है लेकिन बल्लेबाजों ने उसे निराश किया है। वे ना तो बड़ा स्कोर बना पाए और ना ही लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब रहे हैं।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

खुश खबरी : पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार 50 नये पर्यटन पर फोकस

राज्य सरकार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पुरानी 23 हवाई पट्टियों को करेगी विकसित : राजस्थान पर्यटन मंत्री

गंतव्य स्थल विकसित करने और 'उड़ान' के तहत 59 नये रूट जोड़ने पर कर रही है काम

पर्यटन मंत्रालय की पहल जी20 टूरिज्म एक्सपो में केंद्रीय पर्यटन सचिव

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव-अमृत काल में भारत की जी20 अध्यक्षता के अनुरुप भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विजनरी लीडरशिप में भारत के पर्यटन क्षेत्र को मिशन मोड पर विकसित करने पर काम कर रहा है। इस पर प्रकाश डालते हुए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव अरविन्द सिंह ने कहा कि देश में पर्यटन को तेज गति देने के लिए पूरे देश में 50 नये पर्यटन गंतव्य स्थल विकसित करने के साथ-साथ 59 नये हवाई मार्ग कार्यान्वित करने का प्लान है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा फिक्की और राजस्थान सरकार के पर्यटन मंत्रालय के साथ आयोजित जी20 टूरिज्म एक्सपो के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अरविन्द सिंह ने कहा, "भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान भारत का पर्यटन क्षेत्र एशिया-पैसिफिक में सबसे मजबूती से उबर रहा है। महामारी की चुनौतियों के बावजूद, 2021 के 1.52 मिलियन पर्यटकों की तुलना में 305 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि के साथ 2022 में 6.19 मिलियन विदेशी पर्यटक दर्ज हुए। पर्यटन को और भी बढ़ावा देने के लिए हम हरित पर्यटन को बढ़ावा देने और 50 नये पर्यटन गंतव्य स्थल विकसित करने के साथ-साथ विदेश में प्रचार-प्रसार करने की योजना पर काम कर रहे हैं। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय पहले ही जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठकें आयोजित कर चुका है और हरित पर्यटन, डिजिटलीकरण, कौशल विकास, एमएसएमई संवर्धन और गंतव्य स्थल प्रबंधन को बढ़ावा देने पर कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, समेकित स्तर पर सरकार आधारभूत ढांचे की विकास पर जोर दे रही है।"रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी में वृद्धि के साथ हम पर्यटन ढांचे के चहुँमुखी विकास पर जोर दे रहे हैं। 'उड़ान' योजना के अंतर्गत हमने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को 59 नए रूटों की अनुशंसा की थी, जोकि काफी सफल रहा और उनमें 51 रुट अब तक कार्यान्वित हो चुके हैं," पर्यटन क्षेत्र हेतु लिए गए कदमों रेखांकित करते हुए श्री सिंह ने कहा। राजस्थान सरकार में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार पूरे राजस्थान में फैली हुई 23 हवाई पट्टियों को पुनर्विकसित करने की योजना पर कार्य कर रही है, जिससे राज्य में पर्यटन को आवश्यक बल मिलेगा। जी20 टूरिज्म एक्सपो में उद्घाटन भाषण में विश्वेंद्र सिंह ने कहा, "हमारी नई ग्रामीण पर्यटन नीति के तहत हम निजी क्षेत्र के सहयोग से 23 हवाई पट्टी को फिर से विकसित करने जा रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों सहित इससे राजस्थान में पर्यटन को एक बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के अपार अवसर उत्पन्न होंगे। राजस्थान ने एक अद्वितीय ग्रामीण पर्यटन नीति बनाई है, जिसका कई राज्यों को अनुकरण करना चाहिए। इस नीति से पूरे राज्य में वन्यजीव पर्यटन, सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है," विश्वेंद्र सिंह ने कहा। राजस्थान सरकार की पहलों को गिनाते हुए श्रीमती गायत्री राठौड़, प्रधान सचिव - पर्यटन, कला और संस्कृति, राजस्थान सरकार ने कहा, "राजस्थान भारत में लगभग 75% विरासती होटलों का घर है, जिनमें से कई को सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से पुनर्निर्मित और पुनर्स्थापित किया गया है, और अब शाही-शादियां और फिल्म की शूटिंग के लिए भी उपयोग किया जा रहा है। हमारे विभाग ने हाल ही में ग्रामीण राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए ग्रामीण पर्यटन योजना तैयार की है। प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए फिक्की की पर्यटन और संस्कृति समिति के सभापति (चेयरपर्सन) दीपक देवा ने कहा, ह्दुनिया भर में पर्यटन की वापसी हुई है और भारत आगे बढ़कर नेतृत्व प्रदान कर रहा है। ग्यारह (11) मिलियन

हजारों की संख्या भीड़ रही मौजूद

तीन साल के अंतराल के बाद आयोजित हो रही जीआईटीबी में 11,000 से ज्यादा बिजनेस (बी2बी) बैठकों का आयोजन होगा, जिनमें जी20 देशों के 150 सहित 56 देशों के 283 टूर ऑपरेटर भारत के छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, गोवा ओडिशा, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिल नाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के 11 टूरिज्म बोर्डों सहित 290 से ज्यादा भारतीय प्रदर्शकों के साथ बैठकें करेंगे। इस विशिष्ट पर्यटन आयोजन को राजस्थान हॉटेल एवं रेस्टोरेंट संघ (एचआरएआर), भारतीय विरासती होटल संघ (आईएचएचए) और राजस्थान टूर ऑपरेटर्स संघ (राटो) जैसे अग्रणी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संघों का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2008 में पहली बार आयोजित हुए जीआईटीबी ने साल-दर-साल मजबूत होकर भारत के अंतगार्मी यात्रा बाजार में एक खास मुकाम स्थापित किया है।

एफटीए के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए गति को बनाए रखने के प्रति हम आश्वस्त हैं। भारत की जी20 अध्यक्षता इस दिशा में भारत के प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगी।" इस अवसर पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की सीएमडी ने कहा, भारत की जी20 प्रेसीडेंसी न केवल बैठकों की मेजबानी करने का एक बेहतरीन अवसर है, बल्कि भारत की व्यंजन, विरासत और पर्यटन स्थलों के खजाने की विविध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एक शानदार मंच भी है। यह पर्यटन उद्योग के लिए खुद को प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर है।" इंडियन हेरिटेज होटल एसोसिएशन के चेयरमैन और होटल कैसल मंडावा के सीएमडी रणधीर विक्रम सिंह ने कहा, "एक देश के रूप में हमारे पास एक समृद्ध विरासत के साथ साथ पर्यटन के लिए, विशेष रूप से राजस्थान में प्रदर्शन करने के लिए बहुत सारे विरासत स्थल हैं।" फिक्की के महासचिव शैलेश पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान कहा, "2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साथ ही एक भविष्यवाणी कि भारत से बहिगार्मी (आउटबाउंड) पर्यटन आज की संख्या का 5 गुना होने जा रहा है, और विदेशी पर्यटकों की आमद मौजूदा स्तर की 10 गुना होने जा रही है। इससे टिकाऊ और स्थायी रोजगार का सृजन होगा।" जी20 टूरिज्म एक्सपो के उद्घाटन सत्र में भारत में दक्षिण कोरिया गणराज्य के राजदूत महामहिम चांग जाई-बोक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भारत के पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र के दिग्गजों की उपस्थिति के साथ यह आयोजन भारत के यात्रा और पर्यटन उद्योग के भविष्य पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच पर शासन, नीति निर्माण और उद्योग के कुछ प्रमुख नामों का गवाह बनेगा। जी20 टूरिज्म एक्सपो का आयोजन 'ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार' (जीआईटीबी) के 12वें संस्करण के साथ हो रहा है। अंतगार्मी पर्यटन (इनबाउंड टूरिज्म) के लिए भारत की सबसे बड़ी प्रदर्शनियों में से एक जीआईटीबी का आयोजन भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय, राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (फिक्की) के साथ संयुक्त रूप से कर रहा है। विशिष्ट जी20 टूरिज्म एक्सपो में पैनल परिचर्चा, राजदूतों का वातार्लाप, सांस्कृतिक संध्या, गोल्फ का खेल आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

दिनदहाडे व्यापारी का अपहरण कर लूट करने वाली गैंग सरगना सहित गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि थाना ब्यावर सदर पर गत 14 अप्रेल को शाम करीब 8 बजे सूचना मिली कि रेडीमेड कपडो के व्यापारी भगवती प्रसाद पुत्र राधेश्याम निवासी काबरा को कुछ अज्ञात बदमाशों द्वारा काम से घर लौटते समय अपहरण कर लिया है। इस घटना से थाना क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त हो गया साथ ही अपहृत भगवती प्रसाद की जान बचाना भी पुलिस के लिये चुनौती बन गया था। अपरहण की घटना की गंभीरता को देखते हुए वारदात में आरोपीगण की तलाश व गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, जिला अजमेर वैभव शर्मा के सुपरविजन मे वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा ईश्वर सिंह (आरपीएस) के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम व थाना ब्यावर सदर से टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम में ये लोग थे शामिल

सुर्यभान सिंह पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी ब्यावर सदर, कार्तिकेय लाटा आरपीएस (प्रोबे.) थाना ब्यावर सदर, सुखराम है.का., बीरबल है., 05. श्री आशीष गहलोत जिला स्पेशल टीम अजमेर,प्रवीण चौधरी कानि. जिला स्पेशल टीम अजमेर (विशेष योगदान), हरेन्द्र चौधरी कानि., बलवीर सिंह कानि., अजय चौधरी कानि. , राजुराम चौधरी कानि, सुखपाल चौधरी कानि., अजीत सिंह कानि., आजाद सिंह कानि. जिला साईबर सैल, अजमेर

ये रहे अभियुक्तगण

पीराराम पुत्र धमार्राम उर्फ धन्नाराम (जाति देवासी), उम्र 26 निवासी देवासियों की ढाणी झाक , बिलाड़ा,सुरेश खोजा पुत्र कालाराम जाट उम्र 21 साल निवासी ग्राम मालावास थाना पीपाड़ शहर ,गोरधन उर्फ वीरू पुत्र सुखाराम जाट उम्र 19 साल निवासी ग्राम मालवास, सुमेरराम पुत्र अणदाराम जाति जाट उम्र 32 साल निवासी ग्राम सियारा पुलिस थाना बोरून्दा इत्यादि।

पुलिस टीम ने ऐसे की कार्यवाही

गठित टीम द्वारा प्रकरण में पूर्व में तकनीकी साक्ष्यों का संकलन किया जाकर अलग-अलग स्थानों में से कुछ संदिग्ध ठिकानों को चिन्हित कर मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर एक विस्तृत योजना तैयार की व संदिग्ध ठिकाने पर दल-बल के साथ दबिश देकर अपहृत भगवती प्रसाद की जान को प्राथमिकता देते हुए दिनांक 15 अप्रैल को अपहरणकताओं के चंगुल से मुक्त करवाया लिया था। मगर अपहरण का मुख्य सूत्रधार व उसके साथी पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही भाग गये थे। जिनकी पहचान हेतु गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास आने-जाने वाले रास्तों पर करीब 500 विभिन्न जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले व लोगों से पूछताछ की। टीम ने ईलाके में अपने मुखबीर तंत्र को सक्रिय कर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की। टीम द्वारा पाली, जोधपुर, नागौर में आरोपीगण की तलाश की गई व तथ्य जुटाये।टीम द्वारा तलाश किये जाने के दौरान मुखबीर से महत्वपूर्ण सूचना मिली व आरोपियों के छिपने के ठिकाने के बारे में भी अस्पष्ट जानकारी मिली। पुलिस टीम ने उपलब्ध सूचनाओं का ठीक से विश्लेषण कर कुछ संदिग्ध ठिकानों को दबिश के लिये चुना कार्यवाही को सटिक अंजाम देने के लिये टीम के सदस्यों को सादा वस्त्र में संदिग्ध ठिकानों के आसपास निगरानी का काम सौंपा गया। टीम के सदस्यों ने अपनी पहचान छुपाए रखते हुए अपहरण के मुख्य आरोपी व उसके साथियों पर संयमपूर्वक नजर बनाये रखीअपहरणकताओं के बारे में पूर्ण जानकारी व उनके सही ठिकाने का पता चलते ही पुलिस टीम के कुशल सदस्यों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी आरोपियों को चारों चरफ से घेरा तो कुछ आरोपियों ने भागने का विफल प्रयास किया मगर पुलिस टीम के आगे सब प्रयास नाकाम रहे व मुख्य आरोपी को उसके तीन अन्य साथियों सहित पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त वाहन कार भी बरामद की गई है। पुलिस थाना ब्यावर सदर पर दर्ज इस प्रकरण में अपहृत को अपरणकर्ताओ से मुक्त करवाने तथा अपरण के मुख्य सरगना को उसके साथियों सहित पकड़वाने में जिला स्पेशल टीम के कानि0 प्रवीन चौधरी तथा थाना ब्यावर सदर के कानि0 हरेन्द्र चौधरी व कानि0 बलवीर सिंह का विशेष योगदान रहा है।अपहरणकताओं से पूछताछ की जा रही है जिनसे और भी जानकारी मिलने की संभावना है। पुलिस की संगठित टीम ने संयुक्त प्रयासों व संयम से इस पूरी घटना की गुत्थी सुलझाने, अपहृत को मुक्त करवाने, आरोपियों को सरगना सहित गिरफतार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जिनके हौसला अफजाई हेतु अनुशंसा की जायेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने संकल्प सत्याग्रह में काली पट्टी बांधकर पूछा : मोदी-अडानी का यह रिश्ता क्या है?

चरखा चलाकर गांधी जी के सत्याग्रह का किया अनुसरण

संकल्प सत्याग्रह के दौरान सत्याग्रहियो द्वारा रघुपति राघव राजा राम गांधी भजन का लगातार हुआ गायन

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बैनर तले संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर सी.बी.यादव के सानिध्य में राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग करने के विरोध में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने "संकल्प सत्याग्रह" किया। चोमू में मोरीजा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तौर पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी में शिरकत की।

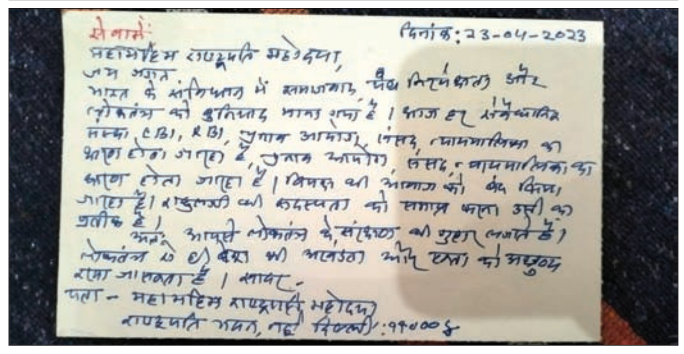

काली पट्टी बांधकर औश्र सूत कातकर जताया विरोध किया

इस संकल्प सत्याग्रह में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों ने अपने हाथ पर काली पट्टी बांध रखी थी एवं हाथ में "लोकतंत्र बचाओ" "संविधान बचाओ" की तख्तियां लिए हुए थे। सत्याग्रह के कई प्रतिभागियों नरेंद्र मोदी एवं अडानी की फोटो के साथ "यह रिश्ता क्या है ?"लिखी हुई तख्तियां लेकर इस सत्याग्रह में सम्मिलित हुए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर सी.बी. यादव एवं अन्य कई सत्याग्रही संकल्प सत्याग्रह के दौरान लगातार चरखे से सूत कातते रहे। सत्याग्रह के दौरान काटे गए सूत की माला बनाकर महात्मा गांधी की प्रतिमा को पहनाई गई। कांग्रेस के इस सत्याग्रह के दौरान लगातार रघुपति राघव राजा राम एवं जय जगत जय जगत पुकारे जा.. की धुन पर गांधी भजन की धून पर गुनगुनाते रहे।

राष्ट्रपति को पोस्टकार्ड लिखकर लोकतंत्र बचाने का किया आग्रह

सत्याग्रह में शामिल सभी सत्याग्रहियों के द्वारा भारत की राष्ट्रपति महोदय के नाम पोस्टकार्ड पत्र लिखा गया। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा यह जा रहे संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग को रोककर लोकतंत्र की बुनियाद को बचाने का आग्रह किया गया। पोस्टकार्ड पत्र में कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा राहुल गांधी की सदस्यता को रद्द करना पूरी तरह अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही पूर्ण कार्रवाई बतलाई गई। नगर पालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी व पश्चिमी ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवेंदा ने चेतावनी दी गई कि यदि केंद्र की भाजपा सरकार इसी तरह लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण करती रहेगी तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने पर उतारू हो जाएगा। संकल्प सत्याग्रह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर सी.बी.यादव ने भारतीय जनता पार्टी के तानाशाही पूर्ण रवैया के विरुद्ध कांग्रेस कार्यकताओं एवं आमजन को एकजुट होकर संघर्ष को आजादी की दूसरी लड़ाई के रूप में लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने पोस्टकार्ड अभियान को गांव-गांव में शुरू करने का भी आह्वान किया। वहीं पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने राजस्थान सरकार के राहत कैंपों में कांग्रेस कार्यकताओं के बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की एवं राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। नगर पालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, पश्चिमी ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवेंदा संकल्प सत्याग्रह को भारत यात्री गोपाल तिवारी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत शर्मा व नानकराम लांबा , पार्षद अशोक रच्छोईया, सरपंच महावीर प्रसाद जांगिड़, सरपंच मुकेश कुमार मीणा, पूर्व सरपंच रामस्वरूप सोकरिया व नाथू लाल यादव, सेवादल के जिला महासचिव कमल यादव व प्रदेश सचिव मास्टर श्याम शर्मा, राजेंद्र बुनकर, कैलाश कुरुलिया, भोला राम मीणा, अनिल प्रजापत, रजत गोठवाल, विमल कुमार यादव,सोहन लाल यादव, नरेश यादव, अनिल प्रजापत, गौरी शंकर कुमावत, कन्हैया लाल यादव, विमल कुमार यादव, मिलाप चंद नारनोलिया, सुरेश कुमार मीणा, अभिषेक मोरदिया, रेणु नायक, अशोक शर्मा, कालूराम सांखला, धर्मेंद्र जाट गोविंद राम नागर, सागरमल गढ़वाल, राजेंद्र कुमार हिंगोनिया, राकेश भाटिया, नानूराम जाट, संत माली राम यादव सहित कई कांग्रेस कार्यकताओं एवं आम नागरिकों ने संकल्प सत्याग्रह किया एवं गांव गांव में लोकतंत्र की रक्षा के लिए पोस्टकार्ड अभियान चलाने का संकल्प लिया।

आगामी विधानसभा चुनाव पर 200 सीटों पर अभिनव राजस्थान पार्टी लड़ेगी चुनाव

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस व भाजपा के साथ साथ अब तीसरी ताकतें भी अपनी जमीनी हकीकत टटोलेने में जुट गई है। जिसके चलते आज अभिनव राजस्थान पार्टी ने मोहता भवन में जनसभा का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डॉ अशोक चौधरी ने मिशन 2023 की अब तक की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फसल बीमा को लेकर पार्टी प्रयासों से किसानों को उनका वाजिब हक मिलने लगा है। आज फसल बीमा योजना और अभिनव राजस्थान पार्टी एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि असली लोकतंत्र और असली विकास हो। राजस्थान को बेहतर बनाने के लिये हमें संकल्प लेना होगा। कांग्रेस-भाजपा जिस एजेण्डे पर चल रही है। उसमें बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिये कार्यकर्ता जन जन तक पार्टी की विचारधारा को पहुंचाएं।डॉ. चौधरी कहा कि अभिनव राजस्थान पार्टी प्रदेश में राजनीति की जगह लोकनीति स्थापित करने के लिए विधानसभा चुनाव में इस बार अपना भाग्य आजमा रही है। समाज को बांटकर राज हथियाने की नीति की जगह समाज विकास के मार्ग पर पार्टी कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने राजस्थान में विकास के लिए 40 सूत्री योजना बनाई है। पार्टी चाहती है, कि प्रदेश में किसी पार्टी या व्यक्ति की जगह जनता का राज हो। जनता को अपने ऑफिसों में जाने पर पूरा सम्मान मिलें। साथ ही प्रशासन में पारदर्शिता हो।चौधरी ने कहा कि पार्टी प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव में उतर रही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com